2010-11 में रेल बजट की विशेषताएं

प्रस्तावना

- आर्थिक लाभप्रदता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व - परियोजनाएं शुरू करने का मुख्य दृष्टिकोण.
- देश के विकास के लिए 'रेल नेटवर्क का समावेशी विकास और विस्तार'.
- 100 दिनों के भीतर निवेशों का प्रस्ताव निपटाने के लिए विशेष कार्य बल.
- व्यावसायिक मॉडलों के क्रियान्वयन के लिए रेलवे के अंदर एक अलग संरचना का सृजन किया जाएगा.

पूरी की गई वचनबद्धताएं

- नई रेलगाड़ियों, चालन क्षेत्र बढ़ाने और फेरे बढ़ाने की 120 घोषणाओं में से 117 को मार्च, 2010 तक झंडी दिखा दी जाएगी.
- रेल भर्ती बोर्डों की भर्ती नीति की समीक्षा की गई है.
- महिला उम्मीदवारों और अल्प समुदायों एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों से संबंधित उम्मीदवारों के लिए रेल भर्ती बोर्डों का परीक्षा शुल्क माफ कर दिया गया.
- सभी प्रश्न पत्र हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी और स्थानीय राज्य भाषाओं में बनाए जाएंगे और एक पद विशेष के लिए परीक्षा सभी रेल भर्ती बोर्डों द्वारा एक साथ आयोजित की जाएगी.
- इज्जत योजना को घोषणा के तीन महीने के अंदर क्रियान्वित कर दिया गया.
- सभी **67 मल्टी-फंक्शनल परिसरों (एमएफसी) में कार्य शुरू कर दिया गया है. आदर्श स्टेशनों** का विकास कार्य चरणों में शुरू किया गया है.

यात्री सुविधाएं

- 94 स्टेशनों का आदर्श स्टेशनों के रूप में उन्नयन किया जाएगा.
- 10 अन्य स्टेशनों को विश्व स्तरीय स्टेशनों के रूप में परिवर्तित करने के लिए चिह्नित किया गया है.
- 93 अतिरिक्त मल्टी-फंक्शनल परिसरों का निर्माण.
- पी पी पी मार्ग के माध्यम से मल्टी-लेवल पार्किंग.
- सस्ता बोतलबंद पेय जल उपलब्ध कराने के लिए पी पी पी के माध्यम से स्वच्छ पेय जल के छह बोटलिंग संयंत्र लगाए जाएंगे.

- आरक्षण स्थिति और रेलगाड़ियों के समयपालन के बारे में यात्रियों को एस.एम.एस. अपडेट्स.
- माल यातायात ग्राहकों को मालडिब्बों के संचलन के बारे में एस.एम.एस. अपडेट्स.
- मालडिब्बों का पता लगाने के लिए आर एफ आई डी प्रौद्योगिकी .
- सभी महत्त्वपूर्ण स्टेशनों पर आधुनिक ट्रॉलियां उपलब्ध कराई जाएंगी जिनका सम्हलाई कार्य वर्दीधारी परिचारकों द्वारा किया जाएगा.
- लौह अयस्क रेकों के आवंटन को वैज्ञानिक विधि से युक्तिसंगत बनाया जाएगा और वेब के माध्यम से सुगम्य बनाया जाएगा.
- टिकट जारी करने के लिए ई-टिकट आधारित सचल वैनों की शुरुआत.

संरक्षा और सुरक्षा

- लंबी दूरी की 20 रेलगाड़ियों में स्वचल अग्नि एवं धुआं संसूचन प्रणाली लगाई जाएगी.
- सभी बिना चौकीदार वाले समपारों पर पांच वर्षों में चौकीदार तैनात किए जाएंगे.
- 'महिला वाहिनी' के नाम से महिला रेसुब कार्मिकों की 12 कंपनियों का गठन किया जाएगा.

खेलकूद

- रेलवे राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार की प्रथम विजेता है.
- दिल्ली, सिकंदराबाद, चेन्नै, कोलकाता और मुम्बई में पांच खेलकूद अकादमियों की स्थापना की जाएगी.
- हॉकी के लिए और अधिक जगहों पर एस्ट्रो-टर्फ उपलब्ध कराए जाएंगे.
- राष्ट्रमंडल खेलों में रेलवे अग्रणी भागीदार रहेगी.
- रेलवे एक राष्ट्रमंडल प्रदर्शनी रेलगाड़ी चलाएगी.

संस्कृति और धरोहर

- रेलवे पर सभी संबंधित गतिविधियों का समन्वय और पर्यवेक्षण करने के लिए एक रेल संस्कृति एवं धरोहर संवर्धन बोर्ड का गठन.
- रबीन्द्रनाथ टैगोर के 150 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में हवड़ा में रबीन्द्र संग्रहालय और बोलपुर में गीतांजलि संग्रहालय की स्थापना करना.
- प्रदर्शन कलाओं के साथ शम्भू मित्रा सांस्कृतिक परिसर और हवड़ा में एक संगीत अकादमी स्थापित करना.

कर्मचारी कल्याण और स्वास्थ्य

- शहरी विकास मंत्रालय की सहायता से अगले दस वर्षों में सभी रेल कर्मचारियों को आवास उपलब्ध कराने के लिए एक नई योजना 'सभी के लिए आवास' शुरू की जाएगी.
- अधिशेष रेल भूमि पर अस्पताल और शैक्षिक संस्थान स्थापित करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन किया गया है.

- रेल कर्मचारियों और उनके बच्चों के लाभार्थ लगभग 522 अस्पताल एवं नैदानिक केंद्र, 50 केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय की तर्ज पर 10 आवासीय विद्यालय, मॉडल डिग्री कालेज और राष्ट्रीय महत्व के तकनीकी एवं प्रबंधन संस्थान स्थापित किए जाएंगे.

- महिला कर्मचारियों के बच्चों के लिए 50 वात्सालय और 20 होस्टल स्थापित किए जाएंगे. रेलवे अधिक संख्या में सामुदायिक केंद्र और स्टेडियम भी उपलब्ध कराएगी.
- कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान को बढ़ाकर 500 रुपये प्रति कर्मचारी कर दिया गया है.
- 1800 रुपये ग्रेड वेतन वाले सभी संरक्षा कोटि कर्मचारियों को शामिल करने के लिए संरक्षा-संबंधी सेवानिवृत्ति योजना की परिधि को बढ़ाया जाएगा.
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना जो असंगठित क्षेत्र तथा सामाजिक रूप से उपेक्षित व्यक्तियों से संबंधित है, को सभी लाइसेंसधारी कुलियों, वैंडरों और फेरीवालों के लिए विस्तारित करना.
- खड़गपुर में एक आधुनिक उन्नत लोको पायलट प्रशिक्षण केंद्र, बेलेघाटा में एक उन्नत रेलपथ प्रशिक्षण केंद्र और चार बहुविषयक प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की जाएगी.

रेल अनुसंधान

- आई आई टी, खड़गपुर में रेल अनुसंधान के लिए एक केंद्र स्थापित किया जाएगा, आई आई टी, एन आई टी, सी एस आई आर और डी आर डी ओ जैसे अग्रणी संस्थानों के साथ सुदृढ़ अनुसंधान भागीदारियां स्थापित करना.

अवसंरचना

- 275 रेलइंजनों के लिए चिरेका की क्षमता का आधुनिकीकरण और संवर्धन.
- संक्रैल में एक डीज़ल मल्टीपल यूनिट (डीएमयू) कारखाना लगाया जाएगा.

- दूसरी यूनिट सडिका में लगाई जाएगी.
- बड़नेरा में मालडिब्बा मरम्मत कारखाना लगाया जाएगा.
- खड़गपुर कारखाने में मालडिब्बा प्रोटोटाइम में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा.
- पी पी पी /संयुक्त उद्यम विधि के अंतर्गत न्यू जलपाईगुडी में एक नया रेल धुरा कारखाना लगाया जाएगा.
- रेल पहिया कारखाना, बेंगलुरू में पहियों के लिए एक डिजाइन विकास एवं परीक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा.
- अनारा (आद्रा) में 250 सवारीडिब्बों की क्षमता वाला एक नया एम एल आर कारखाना लगाया जाएगा.
- सिकंदराबाद, बर्धमान, भुवनेश्वर/कालाहांडी, गुवाहाटी और हल्दिया में पी पी पी/संयुक्त उद्यम विधि के अंतर्गत पांच आधुनिकतम माल डिब्बा सुविधाएं स्थापित की जाएंगी.
- महाराष्ट्र और डानकुनी में उच्च धुरा भार मालडिब्बों के आवधिक ओवरहाल के दो कारखाने लगाए जाएंगे.
- छह स्थानों पर, अर्थात डानकुनी, मछेडा, नासिक, न्यू जलपाईगुडी, न्यू आजादपुर और सिंगुर में पायलट परियोजनाओं के रूप में किसान विज़न परियोजना शुरू की गई है.
- बज बज में पी पी पी विधि पर एक प्रशीतित कंटेनर कारखाना लगाया जाएगा.

माल व्यवसाय

- उच्च क्षमता सामान्य प्रयोजन और विशेष प्रयोजन मालडिब्बों के लिए एक आशोधित मालडिब्बा निवेश योजना शुरू की जाएगी.
- निजी ऑपरेटरों को अवंसरचना में निवेश करने और **विशेष मालगाड़ियां** चलाने की अनुमति दी जाएगी.
- 10 स्थलों पर आटोमोबाइल एवं आनुषंगिक हब स्थापित की जाएगी.

कार्बन फुटप्रिंट

- रेलवे अपने रेल कर्मचारियों के लिए 26 लाख सी एफ एल का वितरण करेगी.
- हरित शौचालयों के साथ दस रेक शुरू किए जाएंगे और डीज़ल रेलइंजनों पर एक जी पी एस आधारित यथेष्ट ड्राइवर मार्गदर्शन प्रणाली संस्थापित की जाएगी.
- रेलवे के जलाशयों और वन क्षेत्रों का संरक्षण एवं संवर्धन करने के लिए 10 रेल ईको-पार्क स्थापित किए जाएंगे.

अन्य परियोजनाएं

- उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम, पूर्व-दक्षिण और दक्षिण-दक्षिण समर्पित माल गलियारों के लिए प्रारंभिक इंजीनियरी-एवं-यातायात सर्वेक्षण (पेट्स) शुरू किए जाएंगे.
- छह उच्च गति यात्री गलियारों की पहचान की गई है जिनको पी पी पी विधि के माध्यम से निष्पादित किया जाएगा. इन परियोजनाओं के नियोजन, मानदंड स्थापित करने, क्रियान्वयन और निगरानी रखने के लिए एक **राष्ट्रीय उच्च गति रेल प्राधिकरण** की स्थापना की जाएगी।
- **बांग्लादेश छोर पर अखौरा और भारतीय छोर पर अगरताला** के बीच एक रेल संपर्क उपलब्ध कराया जाएगा.
- दोनों देशों के बीच परिवहन अवसंरचना में सुधार लाने के लिए दो नई रेल परियोजनाएं अर्थात् जोगबनी (भारत)-विराट नगर (नेपाल) नई लाइन तथा जय नगर (भारत)-बिजलापुर (नेपाल) आमान परिवर्तन, बरदीबस (नेपाल) तथा विस्तार सहित शुरू की गई हैं.

2009-10 में वित्तीय निष्पादन

- 882 मिलियन टन के लदान लक्ष्य को 2009-10 में 8 मिलियन टन से पार कर लिया जाएगा.
- सकल यातायात प्राप्तियां 88,356 करोड़ रुपये अर्थात 10.7 प्रतिशत की वृद्धि.
- छठे केंद्रीय वेतन आयोग के पूरे प्रभाव को रेलवे के संसाधनों द्वारा पूर्णतया आत्मसात कर लिया गया है.
- वर्तमान लाभांश देयता का पूर्णतया निर्वहन किया जाएगा.
- वार्षिक योजना को 40,284 करोड़ रुपये रखा गया है.

बजट अनुमान 2010-11

- माल लदान के लिए 944 मिलियन टन का लक्ष्य रखा गया है - 54 मिलियन टन की वृद्धि; यात्रियों की संख्या में 5.3 प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना है.
- सकल यातायात प्राप्तियां 94,765 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, अर्थात 2009-10 की तुलना में 6490 करोड़ रुपये अधिक.
- सामान्य राजस्व को देय लाभांश 6608 करोड़ रुपये रखा गया है
- बजटीय परिचालन अनुपात 92.3 % रहने का अनुमान है.

वार्षिक योजना 2010-11

- अभी तक सर्वाधिक योजनागत परिव्यय 41,426 करोड़ रुपये, 2009-10 की तुलना में 1142 करोड़ रुपये की वृद्धि.

- नई लाइन - 4411 करोड़ रुपये
- यात्री सुविधाएं - 1302 करोड़ रुपये
- मेट्रो परियोजनाएं - 1001 करोड़ रुपये

- 18000 मालडिब्बों का प्रापण.
- 11 राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए 3701 करोड़ रुपये की अतिरिक्त बजट सहायता मांगी गई है.
- पिछड़े क्षेत्रों को जोड़ने के लिए सामाजिक रूप से वांछनीय 114 परियोजनाओं के लिए सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा.
- नई लाइनों के लिए 54 सर्वेक्षण, आमान परिवर्तन के लिए 2, दोहरीकरण के लिए 7 और 5 अन्य सर्वेक्षण शुरू किए जाएंगे.
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल अवंसरचना के लिए विकास हेतु पूर्वोत्तर विकास परिषद और संबंधित राज्य प्राधिकरणों के परामर्श के साथ मास्टर प्लान बनाया जाएगा.
- 1021 किलोमीटर नई लाइन पूरी की जाएगी. नई लाइनों की 9 नई परियोजनाओं की घोषणा की गई है.
- 800 किलोमीटर आमान परिवर्तन और 700 किलोमीटर दोहरीकरण का लक्ष्य रखा गया है.
- राज्य सरकारों के साथ लागत में भागीदारी के आधार पर और पी पी पी विधि द्वारा अनेक परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं.

रियायतें

- **क्षेत्रीय फिल्म उद्योग के तकनीशियन** फिल्म निर्माण संबंधी कार्य के लिए यात्रा करते समय सभी रेलगाड़ियों में द्वितीय स्लीपर में 75 प्रतिशत छूट और उच्चतर श्रेणियों में 50 प्रतिशत छूट के हकदार होंगे.
- इलाज के लिए जाने वाले **कैंसर रोगियों** के लिए तृतीय वातानुकूल और स्लीपर श्रेणी में 100 प्रतिशत की छूट.
- संवाददाताओं की पत्नी/पति को 50 प्रतिशत की छूट को उन संवाददाताओं जिनकी पत्नी/पति नहीं है, के सहचरों को और 18 वर्ष के आश्रित बच्चों को उपलब्ध कराई गई है.
- ई-टिकट पर सेवा शुल्क **घटाकर** स्लीपर श्रेणी के लिए 10 रुपये और वातानुकूल श्रेणी के लिए 20 रुपये किया गया है.
- घरेलू उपयोग के लिए खाद्यान्न और मिट्टी के तेल की भाड़ा दरों में 100 रुपये प्रति मालडिब्बा की कटौती

नई उपनगरीय सेवाएं

- मुम्बई क्षेत्र में 101 नई उपनगरीय सेवाएं शुरू की जाएंगी.
- चेन्नै और कोलकाता क्षेत्रों में और सेवाएं शुरू की जाएंगी.

विशेष रेलगाड़ियां

- **कविगुरु रबीन्द्रनाथ टैगोर के 150 वें जन्मदिवस** के उपलक्ष्य में पूरे देश में संस्कृति एक्सप्रेस चलाई जाएगी. इस गाड़ी को बंगलादेश ले जाने का भी प्रस्ताव है.
- महिला विशेष रेलगाड़ियों का नाम बदलकर 'मातृभूमि विशेष' किया जाएगा.
- 'कर्मभूमि रेलगाड़ियों' के नाम से 3 अनारक्षित रेलगाड़िया शुरू की जाएंगी.
- अहमदाबाद और उधमपुर के बीच एक नई साप्ताहिक एक्सप्रेस रेलगाड़ी सेवा 'जन्मभूमि एक्सप्रेस' शुरू की जाएगी.
- 16 मार्गों पर **'भारत तीर्थ'** नामक विशेष पर्यटक रेलगाड़ियां.
- 6 लंबी दूरी की दुरांतो रेलगाड़ियों और 4 कम दूरी की दुरांतो दिनकालिक रेलगाड़ियां शुरू की जाएंगी.

अन्य नई रेलगाड़ी सेवाएं

- 54 नई रेलगाड़ी सेवाएं शुरू की जाएंगी.
- 28 नई यात्री गाड़ी सेवाएं, 9 मेमू और 8 डेमू सेवाएं शुरू की जाएंगी.
- 21 रेलगाड़ियों का चालन - क्षेत्र बढ़ाने और 12 रेलगाड़ियों के फेरे बढ़ाने की घोषणा की गई है.

*****

24 फरवरी 2010 को
रेल बजट 2010-11 के प्रस्तुतीकरण के संबंध में
ममता बैनर्जी का भाषण

1. अध्यक्ष महोदया, मैं आठ महीने से भी कम की अवधि के भीतर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का दूसरा रेल बजट प्रस्तुत कर रही हूँ. मुझे इस सम्मानित सदन के समक्ष वर्ष 2010-11 का बजट अनुमान प्रस्तुत करने पर गर्व है.

2. मैं माननीय प्रधान मंत्री के विवेकपूर्ण सलाह तथा प्रोत्साहन के प्रति शुक्रगुजार हूँ. मैं इस सदन में अपने सहयोगियों, सभी संसद सदस्यों, मुख्य मंत्रियों तथा राजनैतिक प्रतिनिधियों, चैम्बर ऑफ कॉमर्स, अन्य सहयोगियों तथा आम जनता, जिन्होंने नई लाइनों तथा नई परियोजनाओं के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिए, के प्रति शुक्रिया अदा करती हूँ.

3. मुझे रेलवे परिवार के 14 लाख सदस्यों-अधिकारियों, कर्मचारियों, गैंगमैन, हर सदस्य, जो दिन-रात कार्य कर रहे हैं, पर गर्व है. उनका मेहरबानी से मैं ये बजट पेश करने जा रही हूँ.

4. महोदया, अपने प्रस्ताव तैयार करते समय मेरे पास **दो पहलू थे। पहले** मैंने परियोजनाओं की **लाभप्रदता को प्रतिफल की दर** आदि के परम्परागत तरीके से देखा. मेरे द्वारा प्रस्तावित अधिकांश परियोजनाएं इसी कोटि के अंतर्गत आती हैं.

5. परन्तु एक अन्य पहलू जिसे निर्णय लेते समय मुझे महत्व देना है, वह है **सामाजिक उत्तरदायित्व.** भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा होने के कारण, रेलों को देश के अधिकांश भागों को संपर्क मुहैया कराना है। क्या सम्पर्कता की आवश्यकता का निर्णय करने के लिए वाणिज्यिक लाभप्रदता ही एकमात्र आधार होना चाहिए? अथवा क्या सामाजिक उत्तरदायित्व एक महत्वपूर्ण पहलू नहीं होना चाहिए? मैं बाद वाले को तरजीह दूंगी. हमारा लक्ष्य समावेशी विकास का है. यदि संपर्कता नहीं होगी तो सभी के लिए विकास संभव नहीं होगा. यदि हम विकास की प्रक्रिया की परिधि में सभी को शामिल नहीं करेंगे तो विकास मात्र आंकड़ों पर ही टिका रह जाएगा. हमें इस प्रकार का विकास नहीं चाहिए.

6. हम लाभप्रदता पर संकुचित दृष्टिकोण नहीं अपना सकते हैं और न ही अपनाना चाहिए. **संपर्कता के बिना जो आज लाभप्रद नहीं हैं, वही संपर्कता मुहैया कराने के बाद लाभप्रद हो जाएगा.** मुझे विश्वास है कि रेलें भावी विकास के लिए निवेश करने में इस उत्तरदायित्व को नजरअंदाज नहीं करेंगी.

7. अब मैं यह कहना चाहूंगी कि हमें अपने समय तथा अवसरों को ज्यादा समय के लिए बर्बाद नहीं करना है. हमें वर्ष दर वर्ष तथा दूसरों के सामने अपनी गरीबी का प्रदर्शन करने के बजाए हमारे पास जो कुछ भी उपलब्ध है, उसी के आधार पर अपना सर्वोत्तम कार्य करने का प्रयास करना चाहिए. हमारा ध्येय हमारा लक्ष्य है. हमारा मिशन देश का विकास है. हमारा कर्म रचनात्मक तथा अभिनव है. हमारे विचार सृजनात्मक हैं. हमारा लक्ष्य संपर्कता के जरिए देश को एकसूत्र में पिरोना है.

8. **विज़न 2020** में उल्लेख है :
"भारतीय रेलें कुशल, सराहनीय, ग्राहक केंद्रित तथा पर्यावरण के अनुकूल एकीकृत परिवहन समाधान मुहैया कराएंगी. यह देश के क्षेत्रों, समुदायों, बंदरगाहों और उद्योग, वाणिज्य, पर्यटन तथा तीर्थ स्थलों को जोड़ते हुए देश की सार्वजनिक उन्नति का वाहन बनेगा। प्रतिबद्ध, अधिकारयुक्त और संतुष्ट कर्मचारियों के अपने एकीकृत दल और आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके इसकी सेवाओं और पहुंच में निरंतर विस्तार और सुधार किया जाएगा."

9. महोदया, मैं माननीय संसद सदस्यों की कद्र करती हूं कि वे रेलों से ऊँची अपेक्षाएं रखते हैं. यह स्वाभाविक है, क्योंकि रेलें राष्ट्र की जीवन रेखा हैं तथा सामाजिक-आर्थिक विकास में एक उत्प्रेरक का कार्य करती हैं.

10. मैं सीमित संसाधनों के जरिए सबकी मदद करना चाहती हूँ**.** हमें तो विश्वास है कि डिमांड करना सब का हक है. भारत लोकतांत्रिक राष्ट्र है. हर जनता की आवाज का कदर करना चाहिए. हमारी दिक्कत है कि हमारे पांच हजार से ज्यादा रिक्वेस्ट आई है.

हमारा दर्द हमारा दर्द नहीं है
हम अपने साथ हजारों की बात करते हैं

11. मैं हर प्रस्ताव का स्क्रूटनी किया है. सभी को एक्मोडेट करना ऑपरेशनल और टेक्नीकल दृष्टि से संभव नहीं है. ये सब कर दूं तो, रेलवे को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा. अभी भी जो चल रहा है, वो भी बड़ी मुश्किल से. रेक्स नहीं हैं. एक दिन में ये सब नहीं हो सकता है. लेकिन तभी भी हम हर संभव कोशिश किया है. बिल्कुल नहीं करने से अच्छा है कि कुछ करूं. अगर ऑपरेशनल, इंफ्रास्ट्रक्चरल या फाइनेंसियल कारणों की वजह से किसी का प्रस्ताव नहीं हो

पाया है, तो उसके लिए मैं क्षमा चाहती हूं. डिमांड मीट करने के लिए प्लानिंग करना जरूरी है. इसीलिए हमने विजन 2020 बनाया है, जिसको दस साल में करना है.

12. लक्ष्यों को लघु, मध्यम तथा दीर्घ कालिक तीन भागों में बांट दिया है. लघुकालिक लक्ष्यों के लिए हम अभी कार्य कर सकते हैं. मध्यकालिक, दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए हमें योजना बनानी होगी तथा निधि की व्यवस्था करनी होगी. इसमें समय लगेगा, परंतु यदि हमें विशेष सहायता मिलेगी तो जनसंख्या के एक बड़े भाग को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के पांच वर्षों के भीतर संपर्कता उपलब्ध हो जाएगी.

13. महोदया, मैं इस सम्मानित सदन का ध्यान इस सूचना की तरफ आकृष्ट करना चाहूंगी कि 1950 में रेलों के पास 53,596 किमी. का मार्ग किमी. था. **58 वर्ष के बीत जाने के बाद भी हम केवल 64,015 किमी. पर पहुंच पाए हैं, अर्थात् 10,419 किमी. इसमें और जुड़ पाए हैं, इस प्रकार वार्षिक औसत मात्र 180 किमी. है.** अगर हम विश्व पर नजर दौड़ाएं तो आप पाएंगे कि विकसित तथा विकासशील दोनों ही राष्ट्र नई लाइनों के मार्ग किमी. में अधिक से अधिक वृद्धि करने के लिए प्रत्येक वर्ष सैकड़ों बिलियन डॉलर खर्च कर रहे हैं. इसलिए हमें देश भर के लोगों तथा स्थानों को जोड़ने के लिए तीव्र गति से काम करना होगा.

14. जब से स्वतंत्रता मिली है, तब से महोदया, जिस प्रकार जनसंख्या में वृद्धि हुई है, उसी प्रकार भारत की अर्थ व्यवस्था में भी वृद्धि हुई है. बहरहाल, आम आदमी की उचित अवसंरचना की घोर आवश्यकता, विशेषकर रेल अवसंरचना अभी भी पूर्ण नहीं हो पायी है. इसीलिए हम वित्त पोषण के नए उपायों को अपना रहे हैं, जिनका हमने पिछले 6 महीनों से अनुसरण किया है. हां हमें उद्योगों, पत्तनों, पर्यटन केन्द्रों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक स्थानों, कोयला खानों और अन्य स्थानों को रेलवे मार्ग से जोड़ने की आवश्यकता है, परंतु उपलब्ध सीमित निधियों के चलते हम सभी मांगों को पूरा नहीं कर सकते.

15. जैसा कि विज़न 2020 में उल्लेख किया गया है, आगामी दस वर्षों में हमारा अपने नेटवर्क में 25,000 किमी. की वृद्धि करने का लक्ष्य है. इसे तंगियों के शिकंजों को तोड़कर प्राप्त करना होगा. हमें एक शुरूआत करनी है.

16. अब समय आ गया है कि **व्यवसायी समुदाय आगे आए और रेलों के साथ भागीदारी करने में अपने हाथ बढ़ाएं.** कभी-कभी उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ता है. वे निवेश करने के लिए इच्छुक हैं, परंतु उनके प्रस्ताव 'एक नकारात्मक दृष्टिकोण' के चलते अनुचित रूप से विलंबित कर दिए जाते हैं. कृपया मुझे ऐसा कहने के लिए माफ करें. परंतु यह सत्य है कि प्रशासनिक तथा कार्य-प्रणाली में बाहरी या आंतरिक रूप से विलंब अवश्य होता है जिसके चलते संभावित निवेशक निरूत्साह हो जाते हैं. हमें इस समस्या से निजात पाना है. मैं एक व्यवसाय संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता पर विश्वास रखती हूँ. मैं माननीय प्रधान मंत्री, वित्त मंत्री तथा योजना आयोग के साथ परियोजनाओं की शीघ्र स्वीकृति के संबंध में विचार-विमर्श करुंगी. मैंने **100 दिनों के भीतर निवेश संबंधी मामलों को क्लियर करने के लिए एक कार्यदल गठित करने का विनिश्चय कर लिया है. हमारी नीति संबंधी दिशानिर्देश सरल, सुगम और निवेश के अनुकूल होगें.** प्राइवेट पूंजी से अवसंरचना सृजित करने से सभी के लिए धन का सृजन होगा और हम सर्वोत्तम के लिए एक मानदंड बन जाएंगे.

17. महोदया, मैं सूचित करना चाहूंगी रेलवे इस मामले को गंभीरता से ले रही है. हमारी मुख्य क्षमता परिचालन तथा प्रबंधन है. इसके 14 लाख कर्मचारी अपना कार्य दिन-रात पूर्ण समर्पण भाव से कर रहे हैं. बहरहाल, भूमि नभक्षेत्र तथा अन्य परिसंपत्तियों का वाणिज्यिक उपयोग करने के लिए रेलों के भीतर कोई व्यवसाय मॉडल विकसित नहीं किए गए हैं तथा राजस्व सृजित करने के लिए हमारी सेवाओं का उपयोग नहीं किया जा रहा है. इस समय नए बिजनेस मॉडलों को विकसित करने तथा नई लाइनों से लेकर विश्वस्तरीय स्टेशन, ऑटो हब से लेकर सहायक उद्योगों, चल स्टाक की विनिर्माण यूनिट से लेकर मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क, पोर्ट संपर्कता के लिए उच्च गति गाड़ी गलियारे तथा मल्टी लेवल पार्किंग से खान संपर्कता इत्यादि जैसे क्षेत्रों में पीपीपी मोड के जरिए घरेलू निवेश आमंत्रित करने की आवश्यकता है. रेलों में घरेलू निवेशकों के लिए अत्यधिक गुंजाइश है तथा वह भविष्य में हमारी आशा होगी. इससे रेलों में अधिक मात्रा में निवेश करना सुसाध्य होगा तथा निवेशकों के लिए व्यवसाय सुलभ हो जाएगा. अतः इसमें सभी की जीत होगी.

18. व्यवसाय मॉडल के कार्यान्वयन के लिए रेलों के भीतर एक पृथक संरचना सृजित की जाएगी ताकि परिचालन तथा प्रबंधन बाधित न हो. मैं दोनों भागों का ध्यान रखूंगी तथा इस मामले में माननीय प्रधानमंत्री जी का मार्गदर्शन लेना चाहूंगी. इस मामले में अपने रेल परिवार को विश्वास दिलाना चाहूंगी कि हम रेलों का निजीकरण नहीं करने जा रहे हैं. यह एक सरकारी संगठन बना रहेगा.

अभी तो शुरूआत है. लंबा और सुहाना सफर बाकी है.

19. महोदया, इन बजट प्रस्तावों में हमारी गंभीरता परिलक्षित होगी। अपने विजन के अनुरूप, अब तक के इतिहास में पहली बार हम अपने **सीमित संसाधनों के बावजूद एक वर्ष में नई लाइनों के 1,000 मार्ग किमी. को पूरा करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम उठाने की योजना बना रहे हैं**. पिछले 58 वर्षों में नई लाइनों के 180 मार्ग किमी. तथा पिछले पांच वर्षों में 219 मार्ग कि.मी. का वार्षिक औसत को देखते हुए यह लीक से हटकर एक कदम होगा. अगर हम 1,000 किमी. का लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं तो हम विजन 2020 के 25,000 किमी. के लक्ष्य को भी प्राप्त कर लेंगे. **मैं आपकी सहायता के लिए सदन के समक्ष अपील कर रही हूॅं. यहां खड़ी होकर मैं लोगों की आवाज उठा रही हूँ.** अगर यह सुनी नहीं जाएगी तो हम समावेशी विकास तथा विकसित भारत का सपना, जो हमने संजोया है, उसे साकार नहीं कर पाएंगे.

20. मैंने पिछला बजट 3 जुलाई 2009 को पेश किया था तथा कई घोषणाएं की थीं. **7 महीनों की अवधि के भीतर** हमने अपनी अधिकांश वचनबद्धताएं पूरी कर ली हैं, मैं उनमें से कुछ का संक्षेप में वर्णन करना चाहूँगीः

i. सदन को यह जानकार हर्ष होगा कि घोषित की गई 120 नई गाड़ियों, जिनका विस्तार किया गया, जिन गाड़ियों की फ्रीक्वेंसी में वृद्धि की गई, उनमें से **117 नई गाड़ियों को मार्च 2010 के अंत तक हरी झंडी दिखाकर रवाना कर दिया जाएगा.** शेष 3 आमान परिवर्तन कार्यों के पूरा हो जाने पर शुरू कर दी जाएगी.

ii. जैसा कि आश्वासन दिलाया गया था, **रेलवे भर्ती बोर्डों की भर्ती नीति की समीक्षा कर ली गई है** तथा कई उपाय प्रारंभ किए गए हैं. महिला उम्मीदवार तथा अल्पसंख्यक तथा आर्थिक रूप से पिछड़े जिन उम्मीदवारों की वार्षिक पारिवारिक आय 50,000/- रु. से कम है, के संबंध में परीक्षा शुल्क माफ करने के अलावा, अब से सभी प्रश्न पत्र हिंदी, उर्दू तथा अंग्रेजी के साथ-साथ राज्य की स्थानीय भाषा में भी तैयार किए जाएंगे तथा देश भर में सभी रेलवे भर्ती बोर्डों द्वारा किसी एक पद विशेष के लिए एक साथ एक ही तारीख को परीक्षा आयोजित की जाएगी.

iii. इज्जत स्कीम, प्रेस संवाददाताओं को रियायत और विद्यार्थियों को दी जाने वाली रियायत को मदरसों, हायर मदरसों तथा सीनियर मदरसों में विस्तारित करने की योजना घोषणा करने के बाद तीन महीनों के भीतर लागू कर दी गई थी.

iv. सभी **67 मल्टी-फंक्शनल परिसरों में कार्य शुरू कर दिया गया है. आदर्श स्टेशनों** का विकास भी चरणबद्ध आधार पर शुरू किया जा चुका है.

v. डाकघरों से टिकटें जारी किए जाने के संबंध में की गई घोषणा पर वित्तीय कारणों की वजह से आगे कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है. परंतु हम **मुश्किल आसान मोबाइल वैनों** के कार्य क्षेत्र में विस्तार करके इसकी भरपाई कर रहे हैं.

यात्री सुविधाएं/यात्री सेवाएं

21. महोदया, आपको यह जानकर हर्ष होगा कि **यात्री सुविधाओं के विकास** पर प्रमुख रूप से ध्यान देने के लिए, मैंने कोई कसर नहीं छोड़ी है. कार्यों के निष्पादन में तेजी लाने के लिए फील्ड अधिकारियों की वित्तीय शक्तियों में वृद्धि कर दी गई है. रेलवे द्वारा 2010-11 में यात्री सुविधाओं पर **1,302 करोड़ रु. के रिकार्ड खर्च का अनुमान लगाया गया है.**

22. हम यात्री सुविधाओं और स्वच्छता में सुधार करने के लिए एक विशेष अभियान चलाने जा रहे हैं. हमनें कई स्टेशनों पर किफायती मूल्य वाले **जनता आहार** भोजन की पहले ही शुरुआत कर दी है. चूंकि हमें बहुत-सी शिकायतें प्राप्त हुई हैं, इसलिए हमने चुनिंदा गाड़ियों में विभागीय तौर पर खान-पान सेवायें मुहैया कराने का निश्चय किया है. **खान-पान नीति में संशोधन किया जा रहा है** तथा उसे यथाशीघ्र अंतिम रूप दिया जाएगा.

स्टेशनों का उन्नयन

23. यात्रियों के आराम, सुविधाओं, आस-पास के परिवेश में सौन्दर्य में वृद्धि करने के लिए हमारे निरन्तर प्रयास को देखते हुए, **निम्नलिखित 94 और स्टेशनों की आदर्श स्टेशन के रूप में घोषणा की गई है** :

अलप्पुझा, अलुआबारी रोड, अंबलापुझा, अंडाल, अंगुल, अशुग्राम, बदरपुर जं, बंगलाकोट, बाली, बैलिघाट, बस्ती, बेलपहाड़, बेथुहादहाड़ी, भद्रेश्वर, भातर, बिरशिबपुर, बोबिली, चकदा, चंदौली, चंद्रकोन रोड, चंगनाचेरी, चंग्रबंधा, चास रोड, चेरथला, छपरा जं., छटना, चिकबल्लापुर, राधामोहनपुर (डाबरा), दाहोद, दंतान, देबग्राम, देवनाहाली, धनुवाचापुरम, दिनाहाटा, दोदबल्लापुर, दोइकल्लु, दोमोहनी, फुलेश्वर, गालसी, गारबेटा, गौरीबिदनौर, घटेरा, गोकक रोड, गौरीनाथधाम, गुडुर, हल्दीबाड़ी, हरीपद, हिजली, हिम्मतनगर, जगदीशपुर, जखोपुरा, जमालपुर, जामनगर, जमुरिया, झरसुगुडा, कलइकुंडा, करुवाता, काशीनगर, कायनकुलम जं., कोचुवेली, कोटद्वार, कुलगचिया, लांजीगढ़ रोड, लापंगा, लिंगमपल्ली, मवेलिकारा, मायनागुरी, मेरामंडली, मिरज, नरसाराओपेट, नासिक रोड, ओछिरा, परभनी, पूर्णा, रघुनाथपुर, रामनगर, रतलाम, रेंगाली, सांगली, शंकरापल्ली, सिद्धार्थ नगर, सोलापुर, सोनमुखी, सुल्तानपुर, तालदी, तंदूर, थिरुवरूर, थिरुविजहा, टिकियापाड़ा, टिटलागढ़ जं., वायालार, विकाराबाद, विश्रामबाग तथा येलहंका जं.

24. मैंने **10 और स्टेशनों की पहचान** की है, जिन्हें **विश्वस्तरीय स्टेशनों** के रूप में परिवर्तित किया जाना है. वे हैंः- अंबाला कैंट, बोलपुर, एर्णाकुलम, गोरखपुर, जम्मू, झांसी, खड़गपुर, कोटा, सूरत तथा ठाणे.

25. मैं आबू रोड, अगरतला, अनारा (आद्रा), आसनसोल, औरंगाबाद, बालासोड़, बालीगंज, बांकुरा, बरेली, बैरकपुर, भटिंडा कैंट, बेल्लारी जं., बेलूघाट, बेलूर, भरतपुर जं., भावनगर, भिलाई, बिष्णुपुर, ब्रहमपुर, देवनगेरे, धाकुरिया, धनबाद जं., धरमावरम (पुट्टापर्थी के पास), डिब्रूगढ़ टाऊन, दिमापुर, दुर्गापुर, ईरोड जं., गोंदिया, गोरखपुर, गुलबर्गा, हिसार जं., जमालपुर जं., झरग्राम, झरसुगुडा जं., झुसी, जूनागढ़ जं., कल्याणी, करीमनगर, कसारागोड, कटिहार जं., किशनगढ़, कोरबा, कृष्णानगर सिटी जं., कुरनूल टाऊन, लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई, लुधियाना, मदारीहाट, माजेरहाट, मालदा टाऊन, मवेलीकारा, मिरज जं., मुर्शिदाबाद, नबाद्विपधाम, नाडियाड जं., नागरकोइल जं., नैहाटी, नेल्लोर, न्यू फरक्का, न्यू मल, निजामाबाद, उरई, पटियाला, पटना साहिब, रायगढ़, राजा की मंडी, रामनगर, रक्सौल जं., रायगडा, रीवा, सेलम, संबलपुर, सांची, सवाई माधोपुर जं., शेगांव, शिमोगा टाउन, सिकर जं., सिउरी, सोमनाथ, सोनीपत, श्रीकाकुलम रोड, तारकेश्वर, टाटानगर, तिरूचि फोर्ट, तिरूत्तनी, तुमकुर, उधमपुर, वसई रोड, विजयवाडा, विजयनगरम जं., वर्धा, यशवंतपुर तथा जहिराबाद (मेडक) में आने वाले वर्ष में **93 अन्य मल्टी-फंक्शनल परिसरों** के निर्माण करने का प्रस्ताव करती हूँ.

26. महोदया, बड़े नगरों के स्टेशनों के नभ क्षेत्र का उपयोग **पीपीपी के जरिए मल्टी लेवल पार्किंग परिसरों के निर्माण** के लिए किया जाएगा. वर्ष के दौरान, कुछ पॉयलट परियोजनाएं शुरू कर दी जाएंगी .

27. जैसा कि सदन जानता है कि 1.8 करोड़ यात्रियों को पानी, भोजन, शौचालयों, स्वच्छता, संरक्षा और सुरक्षा की आवश्यकता है. **पीने का स्वच्छ पानी** उपलब्ध कराने की बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मैं **इस आदेश के साथ कि स्टेशनों पर अधिक सस्ती कीमतों पर ताजा पानी उपलब्ध कराया जाएगा,** सार्वजनिक निजी भागीदारी प्रणाली के जरिये अम्बाला, अमेठी, माल, नासिक, फरक्का और त्रिवेंद्रम में छह बोटलिंग संयत्र लगाने का प्रस्ताव कर रही हूं.

28. यात्री और ग्राहक संतुष्टिकरण में सुधार करने के लिए निम्नलिखित प्रयास किए जा रहे हैं:

- **i.** **आरक्षण स्थिति और रेलगाड़ियों के समयपालन** के बारे में **एस.एम.एस. अपडेट्स** उपलब्ध कराना,
- **ii.** **माल यातायात ग्राहकों को भी उनके मालडिब्बों के संचलन के संबंध में एस.एम.एस. अपडेट्स उपलब्ध कराना,**
- **iii.** पायलट परियोजना के रूप में दिल्ली और कोलकाता से दो गाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ वैश्विक मानदंडों के समतुल्य **डबल डेकर रेलगाड़ियों सेटों** की शुरुआत,

iv. तीन क्षेत्रीय रेलों में कोयले और लौह अयस्क की ढुलाई करने वाले मालडिब्बों पर नजर रखने के लिए **आर.एफ.आई.डी. प्रौद्योगिकी का उपयोग करना.**

29. रेलवे, सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर **आधुनिक ट्रालियां शुरू करने का प्रयास** करती है, जिनसे वर्दीधारी परिचर वरिष्ठ नागरिकों तथा महिला यात्रियों को उनके सामान सहित सवारी डिब्बों में आराम से चढ़ने तथा गाड़ी से उतरने में सहायता करेंगे.

30. रेकों के आवंटन के संबध में हमें बहुत-सी शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इस पद्धति को युक्तिसंगत बनाने की आवश्यकता है. प्रारंभ में, **लौह अयस्क रेकों का आवंटन** वैज्ञानिक आधार पर किया जाएगा और **पारदर्शिता** सुनिश्चित करने के लिए यह वेब के माध्यम से सुगम्य होगा। इस प्रणाली पर सदस्य यातायात द्वारा निजी रूप से नजर रखी जाएगी.

31. महोदया, **मुश्किल आसान** के कार्य क्षेत्र में विस्तार करने के लिए, मैं सरकारी चिकित्सा कालेज अस्पतालों, उच्च न्यायालयों, जिला न्यायालयों, विश्वविद्यालय परिसरों, आई.टी. हबों, आई.आई.टी. और आई.आई.एम. आदि में आरक्षण टिकट जारी करने के लिए **ई-टिकट आधारित मोबाइल वैनें** शुरू किए जाने का प्रस्ताव करती हूँ. आम जनता को अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए, रेलवे स्थानीय सरकार/अर्धसरकारी प्राधिकरणों और निजी संगठनों से बुनियादी ढांचागत सहायता के साथ **जिला मुख्यालयों और गांव पंचायतों में टिकट केंद्र खोलने** का भी प्रस्ताव करती है.

संरक्षा और सुरक्षा

32. **संरक्षा और सुरक्षा के संबंध में हमेशा सजग रहना आवश्यक है** और हमारा स्वप्न और ध्येय दुर्घटनारहित भारतीय रेल है. अध्यक्ष महोदया, हर रोज 17,000 रेलगाड़ियां चलती हैं और 64,015 मार्ग किलोमीटर पर 18 मिलियन यात्रियों को उनके गंतव्य स्थलों तक पहुंचाती हैं. ऐसे विशाल परिचालन में, तकनीकी समस्याओं, तोड़-फोड़, कोहरे, रेल रोको, प्राकृतिक आपदा और मानवीय चूक के कारण कुछेक दुर्भाग्यशाली और खेदजनक दुर्घटनाएं घटित हो जाती हैं और कुछेक बहुमूल्य जिंदगियां गुम होती हैं। हम, रेल परिवार अपने प्रत्येक यात्री और कर्मचारी की जिंदगी की अत्यधिक कदर करते हैं, और उनकी संपूर्ण संरक्षा की निष्ठापूर्वक परवाह करते हैं.

33. इस महत्त्वपूर्ण मुद्दे का निवारण करने के लिए, हमने सर्वोच्च स्तर की प्रौद्योगिकी को अपनाने और सुप्रशिक्षित जनशक्ति को काम पर लगाने की **दोहरी नीति** आपके समक्ष रखी थी, जैसा कि विज़न 2020 में दिया गया था.

34. महोदया, हमें किसी भी दुर्घटना की रोकथाम करने के लिए नए उपस्कर और अत्याधुनिक उपकरण प्रयोग करने होंगे. **टक्कर रोधी उपकरण (एसीडी) और गाड़ी सुरक्षा चेतावनी प्रणाली**

(टीपीडब्ल्यूएस) ऐसे ही दो उपकरण हैं। पूर्ववर्ती उपकरण पूर्वोत्तर सीमा रेलवे पर पहले ही संस्थापित किया जा चुका है और अब तीन अन्य क्षेत्रीय रेलों में इसको लगाए जाने का प्रस्ताव है. वर्ष के दौरान, संरक्षा में सुधार करने और टक्करों की रोकथाम करने के लिए 828 मार्ग किलोमीटर को शामिल करते हुए गाड़ी सुरक्षा चेतावनी प्रणाली की चार परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी. रेलवे **क्रैशवर्दी सवारीडिब्बे** और रेलइंजन भी विकसित कर रही है जो दुर्घटनाओं के मामलों में टक्कर के उच्च प्रभाव को आत्मसात करने में समर्थ होंगे और 20 जोड़ी लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में **स्वचल अग्नि एवं धुआं संसूचन प्रणाली** उपलब्ध कराएगी.

35. अध्यक्ष महोदया, **बिना चौकीदार वाले समपारों** पर दुर्घटनाएं हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय है। अभी भी 17,000 बिना चौकीदार वाले समपार मौजूद हैं। सदन को यह जानकर प्रसन्नता होगी कि 2009-10 में लगभग 3,000 समपारों पर चौकीदार तैनात करने के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया था तथा अगले वर्ष रेलें 1,000 अन्य समपारों पर चौकीदार नियुक्त करने का प्रस्ताव करती है. इस संबंध में एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि अगले पांच वर्षों में बिना चौकीदार वाले सभी समपारों पर चौकीदार तैनात किए जा सकें।

36. महोदया यह देखा गया है कि लोग ऊपरी पैदल पुल का उपयोग नहीं करते हैं और रेल पथ के किनारे-किनारे चलते हैं या उसे पार करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप जीवन हानि होती है। अतः रेलवे ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुलों के अलावा अधिक संख्या में **अंडरपास, सीमित ऊंचाई वाले सबवे** का निर्माण करेगी।

37. जहां कहीं रेलपथ की मृदा संरचना अस्थिर और कमजोर है वहां रेलवे **जूट जियो-टेक्स्टाइल्स** का उपयोग करने की संभावना का पता लगाएगी।

38. महोदया, **यात्रियों और संपत्ति की सुरक्षा** को सुदृढ़ करना एक बड़ी महत्वपूर्ण चुनौती है। लोगों की यह आम धारणा है कि इस कार्य के लिए रेलवे अकेले जिम्मेदार है। माननीय सदस्य जानते हैं कि कानून एवं व्यवस्था एक राज्य विषय होने के नाते राज्य सरकारों के पूर्ण सहयोग के बिना सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती है। वस्तुतः रेलवे राज्य की सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) की लागत का 50 प्रतिशत भाग वहन करती है।

39. महोदया, चूंकि **रेलवे स्पष्ट रूप से विद्यमान** है, अतः यह **आसानी से निशाना बन** जाती है। विभिन्न ऐसे मसलों, जिनका रेल कार्यप्रणाली के साथ कोई दूर-दूर तक सरोकार नहीं है, पर अक्सर रेल-रोको आंदोलन के कारण भारी राजस्व गंवाना पड़ता है। यदि कोई स्थानीय मुद्दा होता है तो उसकी शिकायत के लिए रेलवे को ही पहला निशाना बनाया जाता है। परिणामस्वरूप यात्रियों को कष्ट होता है, व्यापार प्रभावित होता है और हमारी अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। हमारे परिचालन में भी विध्न पैदा होता है जिससे राजस्व की हानी होती है ।

इसलिए मैं जनता से रेलवे को निशाना नहीं बनाने की अपील करती हूँ, क्योंकि यह आपकी अपनी है. आपकी शुभकामनाएं और दुआ चाहती हूँ.

40. महोदया, हमें अपनी रेल सुरक्षा बल को एक संगठन के रूप में सुदृढ़ बनाना है. हमें अपनी रेल सुरक्षा बल को आधुनिक बनाने की आवश्यकता है और इसे हम पूरा समर्थन दे रहे हैं. रेलवे अपनी यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक व्यापक बिल लाएगी.

41. **'महिला वाहिनी'** के नाम से महिला रेल सुरक्षा बल कर्मियों की 12 कम्पनियां गठित कर के महिला यात्रियों की सुरक्षा में सुधार किया जाएगा. रेल सुरक्षा विशेष बल को भी सुदृढ़ किया जाएगा. महिलाओं विशेषकर अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग, और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों से संबंधित महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी.

42.महोदया, हमें अपने **बहादुर जवानों** पर गर्व है जो देश के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं. चूंकि सुरक्षा एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है इसलिए मैंने रेल सुरक्षा बल को मजबूत बनाने के लिए अपने भूतपूर्व सैनिकों को शामिल करने का फैसला किया है जो हमारे लोगों को वास्तविक सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं. हम अपने बहादुर जवानों को सलाम करते हैं और उन्हें हर पल याद रखते हैं, क्योंकि वे हमारे देश की परिसंपति हैं.

जब घायल हुआ हिमालय........
जो शहीद हुए हैं उनकी
ज़रा याद करो कुर्बानी

खेल-कूद

43. हमें अपने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व है। खेल-कूद के एक महान संरक्षक के रूप में भारतीय रेल खेल-कूद को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किए गए प्रतिष्ठित *राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार* का प्रथम प्राप्तकर्ता है. मौजूदा खेल-कूद अवसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मैं दिल्ली, सिकंदराबाद, चेन्नै, कोलकाता और मुंबई में **5 खेल-कूद अकादमी** स्थापित करने का प्रस्ताव करती हूं. यह भी प्रस्ताव है कि हॉकी के विकास के लिए और अधिक स्थानों पर **एस्ट्रो-टर्फ** की भी व्यवस्था की जाए. रेलवे, **बेहतर रोजगार अवसर मुहैया कराएगी** .

44. महोदया, आपको यह जानकर हर्ष होगा कि भारत की मेजबानी में इस वर्ष होने वाले **राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय रेल अग्रणी साझीदार** होगी. इस अवसर को यादगार बनाने और यह

संदेश प्रचारित करने के उद्देश्य से रेलवे एक **राष्ट्रमंडल प्रदर्शनी गाड़ी** चलाए जाने का प्रस्ताव करती है.

संस्कृति एवं धरोहर

45. रेल परिवार के 14 लाख सदस्य विभिन्न संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि से आते हैं. इस विशाल समूह के बीच आपसी मेलजोल एवं विनिमय के माध्यम से एकता लाए जाने की आवश्यकता है. मैं एक **रेलवे सांस्कृतिक एवं धरोहर संवर्द्धन बोर्ड** की स्थापना का प्रस्ताव रखती हूँ जो रेलों पर सभी संबंधित गतिविधियों के समन्वय और पर्यवेक्षण के लिए उत्तरदायी होगा.

46. महोदया, वर्ष 2010 **कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर के 150वें जन्मोत्सव का वर्ष** है. उनके सम्मान में, मैं **हावड़ा में रवींद्र संग्रहालय** और **बोलपुर में गीतांजलि संग्रहालय**, जहां विश्व-भारती अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय स्थित है जिसके हमारे माननीय प्रधानमंत्री चांसलर हैं, की स्थापना का प्रस्ताव रखती हूँ. मैं शांतिनिकेतन की वास्तुकला से प्रेरित होकर बोलपुर स्टेशन को नया रूप देने का भी प्रस्ताव करती हूँ.

47. संस्कृति के संवर्द्धन के लिए नवीनतम अवसंरचनात्मक सुविधाएं मुहैया कराने हेतु, मैं हावड़ा में 'परफार्मिंग आर्ट' और एक सगीत अकादमी सहित **शंभु मित्रा सांस्कृतिक परिसर** स्थापित किए जाने का प्रस्ताव रखती हूं.

कर्मचारी कल्याण एवं स्वास्थ्य

48. मैं गेंगमैन से लेकर अधिकारियों तक के 14 लाख कर्मचारियों पर गर्व करती हूँ. यह एक सामूहिक परिवार है जो कि अपने देशवासियों की सेवा के प्रति समर्पित है. हमें उनके कल्याण पर भी विचार करने भी आवश्यकता है. वे दिन-रात परिश्रम करते हैं ताकि हमारा राष्ट्र प्रगति करे. मैं उन सभी को दिल से धन्यवाद देती हूँ.

49. मैं **'सभी के लिए आवास'** नामक एक नई योजना का प्रस्ताव करती हूँ, जो शहरी विकास मंत्रालय की सहायता से अगले दस वर्षों में सभी रेल कर्मचारियों के लिए आवास मुहैया कराएगी.

50. हम **स्वास्थ्य मंत्रालय** और **मानव संसाधन विकास मंत्रालय** के आभारी हैं जिनके साथ रेल मंत्रालय ने हाल ही में **सरप्लस रेल भूमि पर अस्पताल और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना** किए जाने हेतु **दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर** किए हैं. इन मंत्रालयों के सहयोग से यह आशा की जाती है कि लगभग **522 अस्पतालों एवं डायग्नोस्टिक केन्द्रों, 50 केन्द्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालय की तर्ज पर 10 आवासीय विद्यालयों, राष्ट्रीय महत्व के आदर्श डिग्री**

महाविद्यालयों और तकनीकी एवं प्रबंधन संस्थानों की स्थापना की जाएगी जिससे रेल कर्मचारियों और उनके बच्चों को बहुत लाभदायक पहुंचेगा.

51. निम्नलिखित स्थानों पर **बाह्य रोगी विभाग एवं डायग्नोस्टिक केन्द्र** स्थापित किए जाएंगेः अडोनी, अगरतला, आगरा कैंट, अहमदनगर, अकबरपुर, अकोला, अलीगढ़ जं., अलीपुरद्वार जं., अमेठी, अमृतसर, अमरोहा, अनंतपुर, अन्नावरम, आरा, अरररिया कोर्ट, आसनसोल, औरंगाबाद, अयोध्या, आजमगढ़, बबीना, बढ़नेरा, बगहा, बहादुरगढ़, बाहुगांव, बख्तियारपुर, बालासोर, बलिया, बल्लभगढ़, बल्लारशाह, बालुगांव, बांदा, बंदेल, बंगलोर सिटी, बंगारपेट, बानमंखी जं., बापटला, बाराबंकी, बरौनी, बाढ़, बरहामपुर, बरेली, बरकाकाना, बैरकपुर, बारसोई जं, बासर, ब्यास, बेगूसराय, बेल्लारिी, बेलथरा रोड, बेतीया, बेतूल, भदोही, भद्राचलम रोड, भद्रक, भद्रावती, भागलपुर, भरतपुर, भटिंडा, भटनी, भीमावरम टाउन, भीमावरम जं., भुवनेश्वर, भुसावल, बिदर, बिहारशरीफ, बीना, बीनागुडी, बिरूर, बोकारो स्टील सिटी, बोंगईगांव, ब्रह्मपुर, बर्द्धवान, बुरहानपुर, बक्सर, चकिया, चक्की बैंक, चक्रधरपुर, चालीसगांव, चंदौसी, चंडीगढ़, चंद्रपूर, चेंगलपट्टु, छपरा जं., चिराला, चित्तूर, कुडप्पा, डाल्टेनगंज, दमोह, दानापुर, दौंड, देहरादून, दिल्ली कैंट, दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली शाहदरा, देवबंद, देवलाली, देवरिया सदर, देवनगर, धनबाद, धरमावरम, धोन, धूपगुड़ी, डिब्रूगढ़ टाउन, दिलदारनगर, दिमापुर, दिफू, दोर्णाकल, दुमका, दुर्गापुर, एर्णाकुलम, इरोड जं., फैजाबाद, फालना, फरीदाबाद, फरीदकोट, फतेहपुर, फिरोजाबाद, फिरोजपुर, गदग, गंगापुर सिटी, गंज बसोदा, गढ़वा रोड, गाजियाबाद, घाटप्रभा, घाटशिला, गाजीपुर सिटी, घोड़ाडोंगरी, गोमो, गोंडा, गुत्ती, गोरखपुर, गुडूर, गुलबर्गा, गुना, गुंतकल, गुड़गांव, ग्वालियर, हाजीपुर, हनुमानगढ़, हापुड़, हरदोई, हरिद्वार, हरिहर, हसनपुर रोड, हटिया, हजरत निजामुद्दीन, हिंदुपुर, होशंगाबाद, होसपेट, होसूर टाऊन, हावड़ा, ईटानगर, इटारसी, जबलपुर, जाजपुर क्योंझर, जैसलमेर, जालंधर कैंट, जालंधर सिटी, जालना, जमालपुर, जम्मूतवी, जंघई, जौनपुर, झाझा, झांसी, झारग्राम, झारसुगुडा, जींद, जोधपुर, काकीनाडा टाऊन, कालका, कल्याण, कल्याणी, कन्नूर, कांताबंजी, कप्तानगंज जं, करनाल, करुर जं, कसारगोड, कथुआ, कटिहार, कटनी, काटपाडी जं, कवाली, काजीपेट, केसिंगा, खगड़िया, खजुराहो, खलिलाबाद, खम्मम, खांडवा, खड़गपुर, खुर्दा रोड, किशनगंज, किऊल, कोडरमा, कोकराझार जं, कोल्हापुर, कोलकाता स्टेशन, कोल्लम जं, कोपर गांव, कोरापुट जं, कोटा, कृष्णनगर सिटी जं., कुंभकोणम, कुरदुवाड़ी, कुरुक्षेत्र, लखीमपुर, लखीसराय, लक्सर, लालगढ़, ललितपुर, लोनावला, लोंडा, लखनऊ, लुधियाना, लमडिंग, मछलीपत्तनम, मधेपुरा, मधुबनी, मधुपुर, महबूबनगर, महबूबाबाद, महोबा, मैहर, मैरवा,

न्य माल जं., मलकापुर, मचरियाल, मंडुवाडीह, मांड्या, मनमाड, मानसी, मंत्रालयम रोड, माथेरान, मथुरा, मऊ जं, मेरठ कैंट, मेरठ सिटी, मेड़ता रोड, मिदनापुर, मिरज, मिर्जापुर, मोकामा जं., मुरादाबाद, मुरैना, मुदखेड़, मुगलसराय, मुंबई सीएसटी, मुंबई एलटीटी, मुजफ्फरनगर, मुजफ्फरपुर, नादीकुडी, नागरसोल, नागौर, नागरकोइल जं, नैहाटी, नालगोंडा, नांदेड़, नांदयाल, नांगलोई, नरकटियागंज, नरसिंहपुर, नासिक रोड, नवगछिया, नेल्लोर, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू बोंगाईगांव, न्यू कूच बिहार, नई दिल्ली, निदादावोलु, निजामाबाद, ओंगोल, उरई, पचोरा, पकाला, पालाकोल्लु, पालीमारवाड़, पलवल, पानीपत, पारसनाथ, परली बैजनाथ, प्रतापगढ़, पठानकोट, पटियाला, पटना, पटना सिटी, फगवाड़ा, पिपरिया, प्रयाग, पूर्णा, रायबरेली, रायचूर, राईवाला, राजा की मंडी, राजमुंद्री, राजेन्द्रनगर टर्मिनस, राजगंगपुर, राजगीर, रामेश्वरम, रामपुर, रामपुर हाट, रांची, रंगापाड़ा नार्थ, रंगिया जं, रानी, रानीगंज, रक्सौल, रायगड़ा, रेणिगुंटा, रेणुकूट, रीवा, ऋषिकेश, रोहतक, रुड़की, राउरकेला, सगौर, सहारनपुर, सहरसा, साहिबगंज, साहिबाबाद, सैंथिया, सलेमपुर, समस्तीपुर, संबलपुर जं, सांगली, सासाराम, सतना, सवाई माधोपुर, सियालदह, सिकंदराबाद, सेवाग्राम, शाहगंज, शकूरबस्ती, शेगांव, शिरडी, शोरणूर जं, सिलचर, सिलीगुड़ी जं, सिंगरौली, सिरपुर कागजनगर, सीतामढ़ी, सिवान जं, शोलापुर, सोनीपत, सोनपुर, श्री सत्य साई प्रशांति निलयम, श्री कलस्थी, श्री रामपुर, सुगौली जं, सुल्तानगंज, सुल्तानपुर, सुरइमानपुर, ताडेपल्लीगुंडम, तांडुर, तानुकु, टाटानगर, तेनाली, तेजपुर, थाणे, तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, तिनसुकिया, तिरुचिरापल्ली, तिरुनेलवेली जं, टिटलागढ़, त्रिचुर, तुमकुर, टुनी, उधमपुर, ऊना हिमाचल, विदिशा, विकाराबाद, विल्लुपुरम जं, विरुदुनगर जं, विशाखापत्तनम, विजयानगरम, वारांगल, वर्धा, यादगीर और यशवंतपुर.

52. **द्वितीय स्तर के सामान्य विशेषज्ञता वाले अस्पताल** निम्नलिखित स्थानों पर स्थापित किए जाएंगेः आदिलाबाद, अलीगढ़ जं, अंबाला कैण्ट, आसनसोल, औरंगाबाद, आजमगढ़, बल्लारशाह, बाली, बालीगंज, बांकुरा, बारासात, बरौनी, बासर, बेतूल, भद्राचलम रोड, भद्रक, भीमावरम जं, बिरुर, बोकारो स्टील सिटी, बरहामपुर, बजबज, बर्द्धमान, कैनिंग, चक्की बैंक, चंडीगढ़, चंद्रपुर, कूच बिहार, दौंड, धरमावरम, धारवाड़, एलुरु, गंगापुर सिटी, गया, गुत्ती, गुवाहाटी, हापुड़, हटिया, होसूर टाऊन, हुबली, इटारसी, जादवपुर, जाजपुर क्योंझर, जालना, झारग्राम, झारसुगुडा, जींद, काकीनाडा पत्तन, कानपुर, कांताबंजी, कटिहार, खगड़िया, खांडवा, कोरापुट जं, कोटा, कुरदुवाड़ी, कुरुक्षेत्र, लालगढ़, लोनावला, मछलीपत्तनम, महबूबनगर, मालदा टाऊन, मानसी, मथुरा, मऊ जं, मछेदा, मिदनापुर, मिरज, नागरसोल, नवगछिया, न्यू बोंगाईगांव,

न्यू कूच बिहार, न्यू फरक्का, न्यू जलपाइगुड़ी, पागलचंडी, पाकला, पालाकोल्लु, पलासा, पलियाकलां, प्रतापगढ़, पूर्णा, रायचूर, रामपुर हाट, रांची, रंगापाड़ा नार्थ, रायगड़ा, सिकंदराबाद, सिलीगुड़ी जं, सीतापुर, सिउरी, शोलापुर, सोनीपत, सुल्तानगंज, सुल्तानपुर, तानुकु, तिरुचिरापल्ली जं, तिरुपति, उधमपुर, उलुबेरिया, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम।

53. **तृतीय स्तरीय बहु-विशेषज्ञता अस्पताल** निम्नलिखित स्थानों पर स्थापित किए जाएंगे : आसनसोल, बांदीकुई, भरतपुर, भुज, भुसावल, बीना, बोकारो स्टील सिटी, चालीसगांव, चंडीगढ़, दानकुनी, गार्डन रीच, गुवाहाटी, हल्दिया, हावड़ा, कांचरापाड़ा, कांताबंजी, कटिहार, खड़गपुर, कोटा, कृष्णराजनगर ओल्ड स्टेशन, मालदा टाऊन, मिरज, मुगलसराय, नालगोंडा, न्यू बोंगईगांव, न्यू फरक्का, न्यू जलपाईगुडी, न्यू माल, पागलचंडी, पूर्णा, राजकोट, रामपुर, रामपुर हाट, राणाघाट, रंगापाडा नॉर्थ, रेवाड़ी, सवाई माधोपुर, सिलीगुडी जं., विजयवाडा और वर्धा.

54. महोदया, हमें अपने **80,000 महिला कर्मचारियों की भी चिंता** है. इसलिए महिला कर्मचारियों के बच्चों के लिए **50 शिशु सदनों** और **20 होस्टलों** को भी स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है. रेलवे अभी और अधिक संख्या में सामुदायिक केंद्र और स्टेडियम उपलब्ध कराएगी.

55. माननीय सदस्यों को यह जानकर हर्ष होगा कि रेलवे ने **केन्द्रीय कर्मचारी लाभ निधि में अंशदान** को 350/- रुपए प्रति कर्मचारी से बढ़ाकर 500/- करने का निर्णय लिया है। इस बढ़े हुए अंशदान को गैंगमैंनो तथा समान कोटियों के कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के कल्याण हेतु उपयोग में लाया जाएगा.

56. 1800/- रुपए के ग्रेड पे वाले सभी संरक्षा कोटि के कर्मचारियों को शामिल किए जाने हेतु **संरक्षा संबंधित सेवानिवृत्त योजना** के कार्यक्षेत्र का विस्तार किए जाने का प्रस्ताव है.

57. अपने समवेत सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करने में, मैं **सभी लाइसेंसधारी कुलियों, वेंडरों एवं हॉकरों,** जो असंगठित क्षेत्रों से हैं और सामाजिक रूप से अक्षम हैं, के लिए **राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना** के विस्तार का प्रस्ताव रखती हूँ.

प्रशिक्षण

58. लोको पायलटों की कुशलता और योग्यता को सुदृढ़ किए जाने हेतु खड़गपुर में एक **नवीनतम उन्नत लोको पायलट प्रशिक्षण केन्द्र** की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव है. गैंगमैनों तथा गेटमैनों के प्रशिक्षण के लिए भी बेलीघाटा में एक **उन्नत रेलपथ प्रशिक्षण केन्द्र** खोले जाने का प्रस्ताव है. रेलवे, कटक, कूच बिहार, मालदा और जबलपुर में भी चार **बहु-विभागीय प्रशिक्षण केन्द्र** स्थापित करेगी.

रेल अनुसंधान

59. महोदया, मुझे यह भली-भांति पता है कि भारतीय रेल के महत्वाकांक्षी विजन के विस्तार एवं आधुनिकीकरण को पूरा करने के लिए स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं के विकास पर जोर दिए जाने की आवश्यकता है. मैं **अ.अ.मा.सं.** (अनुसंधान, अभिकल्प एवं मानक संगठन) की कार्यप्रणाली से खुश नहीं हूं. इसलिए मैंने इसे **पुनर्गठित किए जाने का निर्णय** लिया है और इसे **आधुनिक अनुसंधान संगठनों के अनुरूप बनाऊंगी**.

60. रेल प्रौद्योगिकी के मुख्य क्षेत्रों और इसके स्वदेशीकरण पर जोर देने हेतु भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर में **रेल अनुसंधान केन्द्र** की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव है. 13 फरवरी 2010 को **आईआईटी, खड़गपुर** के साथ **समझौता ज्ञापन** पर पहले ही हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। रेलवे, आईआईटी, एनआईटी, सीएसआईआर एवं डीआरडीओ जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ प्रगाढ़ संबंध स्थापित करेगी.

औद्योगिक संबंध

61. हमें अपनी कार्य शक्ति पर गर्व है. वर्ष के दौरान औद्योगिक संबंध शांत और मृदुल बने रहे. मैं अपने रेल परिवार को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि मैं रेलवे के निजीकरण, निगमीकरण किए जाने मे विश्वास नहीं रखती हूँ. रेलवे एक सरकारी विभाग के रूप में कार्य करती रहेगी.

62. हमारे कर्मचारियों एवं अधिकारियों दोनों के मान्यता प्राप्त संघों एवं संस्थाओं के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं. हम रेलवे की **नीतियां बनाने और प्रबंधन में अपने संघों को सम्मिलित** करते हैं. वे विकासात्मक गतिविधियों में बराबर के साझीदार हैं और उन्हें निवेशों पर विशेषज्ञ समिति में सहयोजित कर लिया गया है.

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाने (सी एल डब्ल्यू) का आधुनिकीकरण

63. हमें चित्तरंजन रेल इंजन कारखाने पर गर्व है. हम उसका विस्तार तथा आधुनिकीकरण करना चाहते हैं. इसलिए मैं चित्तरंजन रेल इंजन कारखाने की क्षमता को मौजूदा 200 रेल इंजनों से 275 तक **वृद्धि करने एवं इसके आधुनिकीकरण** करने का प्रस्ताव रखती हूँ. इसके अतिरिक्त, विद्युत

चल स्टॉक के लिए आवश्यक नई प्रौद्योगिकी के डिजाइन, विकास और मूल्यांकन मे विशिष्टता के लिए भी यहां एक केन्द्र की स्थापना की जाएगी.

सवारी डिब्बा उत्पादन

64. अर्थव्यवस्था में सुधार के साथ-साथ पिछले पांच वर्षों के दौरान यात्री यातायात में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप यात्रियों के सवारी डिब्बों की आवश्यकता में भी बढ़ोतरी हुई है. जबकि अन्य पदार्थ एवं वस्तुएं बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं इनके लिए **सवारी डिब्बे तथा माल डिब्बे उपलब्ध नहीं हैं**. हमारी निर्माण क्षमता कम है और हमें अभी से आगे की योजना बनानी पड़ेगी. हमें **शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी विशेष प्रकार के सवारी डिब्बे** विकसित किए जाने की आवश्यकता है.

65. सवारी डिब्बों की कमी से निपटने के लिए राय बरेली, कांचरापाड़ा और पालघाट में नए सवारी डिब्बे कारखाने स्थापित किए जाने हेतु कदम उठाए जा रहे हैं. **रायबरेली में सवारी डिब्बा कारखाने की स्थापना की प्रगति वर्ष के दौरान पिकअप करेगी** और कई प्रकार की गतिविधियां शुरू कर दी जाएंगी. **कांचरापाड़ा और पालघाट में सवारी डिब्बा कारखानों की स्थापना प्रक्रियाधीन है. मधेपुरा और मढ़ौड़ा में भी लोको कारखानों का कार्य प्रगति** पर है. संयुक्त उद्यम/निजी सार्वजनिक साझेदारी के माध्यम से संकरेल में **डीजल मल्टीपल यूनिट (डीएमयू) कारखाने** की स्थापना की जाएगी.

66. रेलवे ने **सिंगूर में एक कोच फैक्ट्री** स्थापित करने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार से अनुरोध प्राप्त किया है. रेल मंत्रालय ने इस पर अपनी इच्छा व्यक्त कर दी है यदि राज्य सरकार अनिच्छुक किसानों की 400 एकड़ भूमि वापस करने के बाद रेल मंत्रालय को अपेक्षित भूमि सुपुर्द करती है.

67. इसके अलावा, एक **दूसरी इकाई स्थापित करके सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नई को और आधुनिक बनाया जायेगा और विस्तार किया जायेगा** ताकि इसके वर्तमान स्तर लगभग 1500 कोच प्रति वर्ष से अधिक संख्या में तकनीकी रूप से उन्नत कोचों के निर्माण के लिए सुसज्जित किया जा सके.

माल डिब्बा मरम्मत कारखाना

68. मैं माल डिब्बा के वृहत् बेड़े का अनुरक्षण कार्य करने के लिए **बडनेरा** में माल डब्बों का आवधिक ओवरहॉल प्रारंभ करने हेतु एक **माल डिब्बा मरम्मत कारखाना** स्थापित करने का प्रस्ताव करती हूँ जिसे भविष्य में अधिगृहीत किया जायेगा. रेल कारखानों में **वैगन के स्वरूप** के लिए **उत्कृष्टता केन्द्र** विकसित किए जाने का भी प्रस्ताव है। इस प्रकार के पहले केंद्र की स्थापना खड़गपुर कारखाने में की जाएगी.

रेल धुरा कारखाना

69. भारतीय रेल ने पहियों में आत्म-सक्षमता प्राप्त करने के लिए लम्बी अवधि की योजनाओं को बनाया है परन्तु धुरा विनिर्माण क्षमता में वृद्धि करने के लिए उस प्रकार की कोई योजना नहीं बनायी है. मैं अब वर्तमान में आयात पर निर्भरता को दूर करते हुए धुरा निर्माण में आत्म-सक्षमता प्राप्त करने के लिए न्यू जलपाईगुड़ी में **सार्वजनिक निजी भागीदारी/संयुक्त उद्यम के माध्यम से एक नया धुरा रेल कारखाना** स्थापित करने का प्रस्ताव करती हूँ.

पहियों के डिजाइन, विकास और परीक्षण केन्द्र की स्थापना

70. पहियों में आत्म सक्षमता प्राप्त करने के लिए लम्बी अवधि की अपनी योजनाओं को ध्यान में रखते हुए रेल पहिया कारखाना, बैंगलोर में **पहियों के लिए** डिजाइन विकास और **परीक्षण केन्द्र** की स्थापना की जाएगी.

सवारी डिब्बा मध्यावधि पुनर्स्थापन (एम एल आर) कारखाना

71. मध्यावधि पुनर्स्थापन एक अत्यावश्यक प्रमुख कार्य है जो पुराने सवारी डिब्बों मे जान फूँक देता है और यह न सिर्फ शेष सेवा काल में भारी सुधार लाता है बल्कि बाहरी हिस्सों का भी जीर्णोद्धार करता है. इस समय उत्पन्न एम एल आर को पूरा करने के लिए क्षमता में कमी है. अतः प्रति वर्ष 250 सवारी डिब्बों की क्षमता के साथ अनारा (आद्रा) में एक **नया एमएलआर कारखाना** स्थापित करने का भी मैं प्रस्ताव करती हूँ.

माल डिब्बा निर्माण कारखाने

72. अगले वर्ष में माल डिब्बों का प्रापण लक्ष्य 18,000 निर्धारित किया गया है। माल डिब्बों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए मैं **संयुक्त उद्यम/सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से** सिकन्दराबाद, बर्धमान, भुवनेश्वर/कालाहांडी, गुवाहाटी और हल्दिया मे **पांच आधुनिक माल डिब्बा कारखाने** स्थापित करने का प्रस्ताव करती हूँ. यह रेलवे की किफायती परिवहन मांगों को पूरा करने में दीर्घकाल तक मदद करेगा.

भारी धुरा भार मालडिब्बों के लिए मध्यावधि ओवरहॉलिंग/आवधिक ओवरहॉलिंग कारखाने

73. मैं पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल गलियारों पर यातायात के संचलन हेतु अपेक्षित उच्च धुरा भार माल डिब्बों के आवधिक ओवरहाल के लिए महाराष्ट्र और दानकुनी में दो कारखाने स्थापित करने का प्रस्ताव करती हूँ.

प्रशीतित कंटेनर कारखाना

74. हमें अपने किसानों पर गर्व है. लेकिन, त्रासदी यह है कि 35,000 करोड़ रुपये की उनकी उपज हर साल नष्ट हो जाती है और उन्हें संकट में बिक्री करने के लिए मजबूर होना पड़ता है और

कुछ तो आत्महत्या तक कर लेते हैं. किसानों की सहायता करने के लिए रेलवे उनके साथ कंधे से कंधा मिला रही है.

75. सम्मानित सदन को सूचित करते हुए मुझे खुशी हो रही है कि छह स्थानों यथा दानकुनी, मछेंदा, नासिक, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू आजादपुर और सिंगूर की पायलट परियोजनाओं के कार्यान्वयन के रूप में पहचान करके **किसान विज़न परियोजना की शुरूआत कर दी गई है.** रेलवे के पास अपना प्रशीतित कंटेनर नहीं है. इस आवश्यकता को पूरा करने हेतु किसानों के सुनिश्चित भविष्य के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से बज बज में एक **प्रशीतित कंटेनर कारखाना** स्थापित किए जाने का मैं प्रस्ताव रखती हूं.

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू)

76. रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सभी ग्यारह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने 2008-09 में बढ़िया प्रदर्शन किया है और 13,641 करोड़ रुपये का संयुक्त रूप से टर्नओवर हासिल किया है, और 1,328 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। सार्वजनिक क्षेत्र के इन उपक्रमों ने रेलवे को 286 करोड़ रुपये के लाभांश का भुगतान किया है.

माल यातायात व्यवसाय

77. महोदया, अब मैं माल व्यवसाय में, जो हमारी रोजी-रोटी है, कुछ नई पहलकदमियों का प्रस्ताव करूंगी:

i. रेलवे उच्च क्षमता सामान्य प्रयोजन और विशेष प्रयोजन माल डिब्बों के लिए एक **आशोधित मालडिब्बा निवेश योजना** शुरू करेगी। इसमें लौह अयस्क, कोयला और सीमेंट भी शामिल होगा. एक विस्तृत योजना शीघ्र ही अधिसूचित की जाएगी.

ii. कंटेनर रेलगाड़ी परिचालकों की तर्ज पर, अवसंरचना में निवेश करने और मोटरवाहन, वनस्पति तेल, शीरा, रसायनों, पेट्रोकेमिकल्स और फ्लाई एश एवं सीमेंट जैसे थोक यातायात के लिए **विशेष मालगाड़ियां चलाने** हेतु निजी ऑपरेटरों को अनुमति देने के लिए नीति शीघ्र ही अधिसूचित की जाएगी.

iii. अपने पिछले बजट में घोषित मैगा-लॉजिस्टिक्स हबों की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए हमने दस स्थलों में **मोटरवाहन एवं आनुषंगिक हबों** को स्थापित करने का निर्णय लिया है । इस प्रकार का पहला ऑटो हब शुरू हो चुका है .

iv. महोदया, 2000 में रेल मंत्री के रूप में मैंने **रोल-ऑन-रोल-ऑफ** सेवा की घोषणा की थी। जिसे अब चरणबद्ध तरीके से क्षेत्रीय रेलों में विस्तार किए जाने का प्रस्ताव है.

v. अपने माल ग्राहकों को **मल्टी-मोडल** द्वार-दर-द्वार सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से **रोड-कम-रेलर** वाहन का एक रेक परीक्षण आधार पर शुरू किया जाएगा.

vi. **पार्सल तथा माल यातायात के संचलन के लिए एक प्रीमियम तत्काल सेवा** विचाराधीन है.

vii. रेलवे **लौह अयस्क, फ्लाई ऐश, मोटरवाहनों आदि के लिए विशेष मालडिब्बों** की आवश्यकता की भी जांच करेगी.

कार्बन फुट प्रिंट को कम करना

78. हमें प्रकृति का ख्याल रखना है और जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील होना है. **धरती माता की देखभाल करना हम सभी की साझा और सामूहिक जिम्मेदारी है** क्योंकि वह हम सभी की देखभाल करती है. रेलवे सदैव पर्यावरण हितैषी रही है। रेलवे द्वारा उठाए गए कदमों में 2.6 मिलियन सीएफएल का वितरण और 10 ईको-पार्क की स्थापना करना शामिल है.

79. हम **हरित शौचालयों के साथ कम-से-कम दस रेकों का भी प्रस्ताव** कर रहे हैं और डीज़ल रेल इंजनों पर **जी.पी.एस. आधारित यथेष्ट ड्राइवर मार्गदर्शन प्रणाली** संस्थापित किए जाने का भी प्रस्ताव है, जिसने ईंधन खपत में 8-10 प्रतिशत की बचत दिखाई है. हम जलवायु परिवर्तन के संबंध में प्रधान मंत्री राष्ट्रीय कार्य योजना और ऊर्जा कुशलता ब्यूरो के गहन समन्वय के साथ कार्य करेंगे.

80. रेलवे अपने वैटलैंड और वन-क्षेत्रों को संरक्षित, सुरक्षित तथा संवर्धन करने के लिए एक **रेल ईको-पार्क** स्थापित करने का प्रस्ताव करती है. नौपाड़ा, जिसका हाल ही में उद्घाटन हुआ है, सहित वर्ष में ऐसे दस ईको-पार्क स्थापित किए जाने की योजना बनाई है.

समर्पित गलियारेः

81. समर्पित माल यातायात गलियारा संबंधी परियोजना हमारे प्रधानमंत्री जी का सपना है. मैं इसकी प्रगति की गति के बारे में चिंतित हूं तथा **डीएफसीसीआईएल परियोजना को शीघ्र ही पुनर्गठित किया जाएगा** ताकि परियोजना का कार्यान्वयन समय रहते सुनिश्चित हो सके । हम इसका कार्यान्वयन समय पर करेंगे. डी एफ सी के पश्चिमी गलियारे के लिए, चरण-I के लिए मुख्य ऋण हेतु करार पर अगले महीने जापान इंटरनेशनल कारपोरेशन एजेंसी (जी आई सी ए) के साथ हस्ताक्षर किए जाएंगे.

82. हमने ऐसे दिशा-निर्देश जारी किए हैं जिससे भूमि का बलपूर्वक अधिग्रहण नहीं किया जाएगा . कभी-कभी इससे विलंब भी हो जाता है। हम भूस्वामियों से बातचीत करेंगे और यदि आवश्यक हुआ तो शिरोपरि संरेखण सहित अन्य विकल्पों की भी तलाश की जाएगी ताकि लोगों को कम से कम असुविधा हो.

83. डी एफ सी के पूर्वी गलियारे के लिए, सोननगर हेतु वित्त पोषण के लिए बातचीत चल रही है। वर्ष के दौरान सोननगर-दानकुनी खंड को शुरू करने का मेरा प्रस्ताव है. इस खंड के लिए वित्त पोषण पी पी पी भागीदारी संबंधी घरेलू निवेश के जरिए किया जायेगा.

84. शेष चार गलियारों अर्थात् उत्तर-दक्षिण (दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु), पूर्व-पश्चिम (पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र), पूर्व-दक्षिण (पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश) और दक्षिण-दक्षिण (तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, गोवा) के लिए, इस वर्ष प्रारंभिक इंजीनियरी एवं यातायात सर्वेक्षण (पी ई टी एस) शुरू किया जाएगा.

85. महोदया, मैंने डी एफ सी को भारतीय रेल की **"डायमंड रेल कॉरिडोर"** परियोजना के रूप में घोषित किया था. डी एफ सी के आधार पर, हम अब समर्पित यात्री गलियारा (डी पी सी) की योजना बना रहे हैं जिसकी मैं भारतीय रेल के **"गोल्डन रेल गलियारा"** के रूप में घोषणा करती हूं.

86. **उच्च गति वाले यात्री रेल गलियारे,** जिन पर आगामी वर्षों में रेलें चलेंगी, का निर्माण एक अन्य परिवर्तन का प्रयास है. भारतीय रेल का 250 से 350 कि.मी. प्रतिघंटा की गति वाले उच्च गति वाले गलियारों को तैयार करने में निवेश करने का प्रस्ताव है. छह गलियारों की पहले ही पहचान कर ली गयी है। इन परियोजनाओं में अधिक निवेश अपेक्षित होगा तथा पी पी पी साधन के जरिए निष्पादित की जाएंगी.

87. महोदया, मुझे विश्वास है कि उच्च गति वाला रेल गलियारा भारत के आर्थिक विकास में एक उत्प्रेरक बन जायेगा, तथा सेटेलाइट टाउनों, सेटेलाइट कस्बों के विकास में इससे तेजी आएगी एवं महानगरों की ओर पलायन में कमी आएगी. अतः इन परियोजनाओं की योजना, मानक निर्धारण, कार्यान्वयन और निगरानी के लिए एक **राष्ट्रीय उच्च गति रेल प्राधिकरण** स्थापित करने का प्रस्ताव है.

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

88. हम अपने पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध रखते हैं. इन देशों में छोटे तथा अलग-थलग नेटवर्कों के कारण इन रेल प्रणालियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. **ट्रांस-एशियन रेलवे नेटवर्क**, उनके एकत्रण के लिए बेहतरीन मौका मुहैया कराता है. हमारे प्रधानमंत्री तथा बांगला देश के प्रधानमंत्री अभी हाल ही में **बंगला देश की साइड पर आसौरा** तथा भारतीय साइड **पर अगरतला** के बीच रेल संपर्क मुहैया कराने के लिए कार्य शुरू करने हेतु सहमत हो गए हैं. यह

संपर्क बंगला देश के रास्ते पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर क्षेत्र के बीच छोटा मार्ग भी उपलब्ध कराएगा .

89. मैंने दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से रेल कार्मिकों के लाभ हेतु अपने प्रशिक्षण संस्थान खोलने का भी विनिश्चिय किया है. एशियन रेलवेज एसोसिएशन के माध्यम से शुरू किए गए सहयोगी अनुसंधान तथा मानकीकरण के लिए अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आर डी एस ओ) की सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी मेरा प्रस्ताव है.

लेखांकन सुधार संबंधी प्रगतिः

90. रेलों ने एक लेखांकन सुधार संबंधी परियोजना पहले ही शुरू कर दी है जो **एक्रूअल आधारित लेखांकन प्रणाली** की धीरे-धीरे शुरूआत करने में सक्षम होगी. इस परियोजना के समापन के बाद, एक भावी रूपरेखा बनायी जाएगी जिससे व्यापक तंत्र के अंतर्गत चरणबद्ध आधार पर एक नई लेखांकन प्रणाली की शुरूआत होगी जैसा कि जी ए एस ए बी (सरकारी लेखांकन मानक सलाहकारी बोर्ड) द्वारा कल्पना की गयी है.

गैर-महत्वपूर्ण बिजनेस से आयः

91. रेल परिसंपत्तियों की ब्रेंडिंग/एडवरटाइजिंग से संभाव्य राजस्व का दोहन किया जाएगा जिससे आय में अत्यधिक वृद्धि होगी. **राजस्व के 150 करोड़ रु. से 1,000 करोड़ रुपए तक** बढ़ने का अनुमान है तथा रेलों के योजना निवेश में सहायता मिलेगी.

2009-10 के दौरान निष्पादनः

92. सम्मानित सदन अवगत है कि चालू वर्ष का बजट छठे केन्द्रीय वेतन आयोग तथा अर्थव्यवस्था में मंदी की पृष्ठभूमि में तैयार किया गया था। यात्री क्षेत्र में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ-साथ वर्ष के लिए 882 मिलियन टन का लदान लक्ष्य निर्धारित किया गया था. यह बताते हुए मुझे खुशी है कि भारतीय रेल कम से कम 8 मिलियन टन तक माल यातायात का लदान लक्ष्य को पार कर लेगी. यह निष्पादन हिम्मत बंधा रहा है। बहरहाल, यात्री क्षेत्र आकांक्षाओं से नीचे रहा है तथा भारत के उत्तरी हिस्से सर्दी के दौरान मौसम के प्रतिकूल हालात तथा रेल रोको और आंदोलनों ने यात्री यातायात संबंधी आमदनी पर अत्यधिक प्रभाव डाला.

93. महोदया, छठे केन्द्रीय वेतन आयोग के प्रभाव ने रेलवे की राजस्व उपार्जक क्षमता को अत्यधिक प्रभावित किया है. बजट अनुमानों में बकाया और बढ़े हुए वेतन तथा भत्तों को पूरा करने के लिए की गयी व्यवस्था अपर्याप्त साबित हुई. रेलवे ने डीजल मूल्यों की बजटोत्तर वृद्धियों के

साथ-साथ कर्मचारी कार्यों के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं को समाहित करने के काफी हद तक प्रयास किए हैं. यह खर्च को विनियमित तथा नियंत्रित करने के लिए रेलों पर लागू किए गए विभिन्न मितव्ययिता तथा किफायती उपायों के कारण संभव हुआ. मैं मितव्ययिता में विश्वास करती हूं तथा मैं प्रत्येक रेल कर्मचारी से इसका कड़ाईपूर्वक पालन कराना चाहूंगी. बचत के हमारे सभी प्रयासों के बावजूद, रेलवे को 4,590 करोड़ रु. की उच्चतर आवश्यकता की तुलना में वेतन और भत्तों की अपनी अनिवार्य देयताओं को पूरा करने के लिए 2,600 करोड़ रु. की अतिरिक्त निधियां मुहैया करायी गईं। पेंशन देयताएं भी संशोधित हो गयी हैं तथा बजट अनुमानों में 14,000 करोड़ रु. की तुलना में 15,000 करोड़ रु. होने की संभावना है.

संशोधित अनुमान 2009-10

94. महोदया, 890 मिलियन टन के संशोधित लदान लक्ष्य पर विचार करते हुए, माल यातायात आमदनी 58,716 करोड़ रु. तक बढ़ गयी है जो बजट अनुमान से 191 करोड़ रु. अधिक है जबकि यात्री यातायात आमदनी 252 करोड़ रु. घटकर 24,057 करोड़ रु. रह गई है। 2,526 करोड़ रु. की संशोधित अन्य कोचिंग आमदनी 2,982 करोड़ रु. की फुटकर अन्य आमदनी के साथ-साथ अब कुल सकल आय 88,281 करोड़ रु. निर्धारित की गयी है। यातायात उचंत से 75 करोड़ रु. क्लीयरिंग का बजटीय लक्ष्य संशोधित अनुमानों में बनाए रखा जाता है। सकल यातायात प्राप्तियां 88,419 करोड़ रु. के बजट अनुमानों से घटकर 88,356 करोड़ रु. रह गयी हैं.

95. 2009-10 के बजट अनुमान में साधारण संचालन व्यय 62,900 करोड़ रु. से 65,500 करोड़ रु. तक बढ़ा है. संशोधित अनुमानों में मूल्यह्रास आरक्षित निधि तथा पेंशन निधि के संबंध में क्रमशः 4,500 करोड़ रु. तथा 13,440 करोड़ रु. मुहैया कराए जाने के बाद, कुल संचालन व्यय के 83,440 करोड़ रु. तक होने की संभावना है. 2,357 करोड़ रु. की विविध प्राप्तियां तथा 783 करोड़ रु. के विविध खर्च के लेखांकन के बाद, रेलवे का शुद्ध राजस्व अब 6,490 करोड़ रु. संशोधित हो गया है. 5,539 करोड़ रु. की संपूर्ण लाभांश दायिता पूरी करने के बाद, 'आधिक्य' 951 करोड़ रु. बनता है. योजनागत आवश्यकता को पूरा करने के लिए, इसे विकास निधि में विनियोजित किया जाएगा.

96. आमदनी में कमी तथा अत्यधिक संचालन व्यय को पूरा करने के लिए, योजनागत खर्च को इस तरीके से विनियमित किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि संरक्षा तथा अन्य लक्षित कार्यों की प्रगति बाधित न हो. बहरहाल, इसे हासिल करने के लिए, भारतीय रेल वित्त निगम से 350 करोड़ रु. का अतिरिक्त बाजार ऋण लेना आवश्यक होगा। इससे कुल बाजार ऋण 9,170

करोड़ रु. से बढ़कर 9,520 करोड़ रु. हो जाएगा. राष्ट्रीय परियोजनाओं पर निवेश सहित संशोधित योजनागत निवेश का 40,284 करोड़ रु. होने का अनुमान लगाया गया है.

2010-11 के लिए बजट अनुमान:

97. महोदया, अब मैं 2010-11 के लिए बजट अनुमानों की बात करूंगी। 2010-11 के लिए फ्रेट लदान का लक्ष्य 944 मिलियन टन रखा गया है, जो 2009-10 के संशेधित अनुमान की तुलना में 54 मिलियन टन अधिक है, फ्रेट थ्रूपुट 623 बिलियन शुद्ध टन किलोमीटर होने का अनुमान लगाया गया है. माल यातायात, यात्री यातायात, फुटकर अन्य आमदनी तथा अन्य कोचिंग आमदनी के लिए बजट अनुमान क्रमश: 62,489 करोड़ रु., 26,127 करोड़ रु., 3,171 करोड़ रु. तथा 2,778 करोड़ रु. लगाया गया है. रेलवे की बकाया देनदारियों को निपटाने के लिए विशेष प्रयास शुरू करने का मेरा इरादा है. इस प्रकार बजट अनुमानों में 200 करोड़ रु. का क्लीयरेंस लक्ष्य रखा गया है. इस प्रकार सकल यातायात प्राप्तियां 94,765 करोड़ रु. होने का अनुमान लगाया गया है.

98. महोदया, 2010-11 के लिए साधारण संचालन व्यय की व्यवस्था 65,000 करोड़ रु. रखी गयी है जो 2009-10 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 500 करोड़ रु. कम है. मूल्यह्रास आरक्षित निधि में विनियोग 2009-10 के संशोधित अनुमान में 4,500 करोड़ रु. से बढ़कर 7,600 करोड़ रु. हो गया है. पेंशन निधि में विनियोग 14,500 करोड़ रु. रखा गया है। इस प्रकार, कुल संचालन व्यय 87,100 करोड़ रु. होगा तथा शुद्ध राजस्व 9,782 करोड़ रु. होगा. 6,609 करोड़ रु. की अनुमानित लाभांश दायिता पूरी करने के बाद, 92.3 प्रतिशत के लक्षित परिचालन अनुपात सहित 3,173 करोड़ रु. के 'आधिक्य' का अनुमान लगाया गया है। आधिक्य को विकास निधि (2,800 करोड़ रु.)लक्ष्य तथा पूंजी निधि (373 करोड़ रु.) में विनियोजित किए जाने का प्रस्ताव है.

वार्षिक योजना 2010-11

99. महोदया, वर्ष 2010-11 के लिए वार्षिक योजना परिव्यय 41,426 करोड़ रु. का प्रस्ताव है, जो योजना निवेश का अब तक सर्वोच्च है. योजना को 9,120 करोड़ रु. के भारविनि. के माध्यम से बाजार ऋण सहित 15,875 करोड़ रु. की सकल बजटीय सहायता, 877 करोड़ रु. का डीजल उपकर, 14,523 करोड़ रु. के आंतरिक संसाधन तथा 10,151 रु. के ईबीआर के जरिए वित्त पोषित किया जायेगा.

100. बजटीय सहायता के लिए, मैं माननीय प्रधानमंत्री की आभारी हूं. बहरहाल, जैसा कि विजन 2020 में स्पष्ट किया गया है कि रेलों को सामाजिक रूप से वांछनीय अत्यधिक कार्यों सहित चालू परियोजनाओं को वित्त पोषित करने के उद्देश्य से अधिक निवेश की आवश्यकता है.

101. उपलब्ध सीमित संसाधनों के अंतर्गत, नेटवर्क के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है. वर्ष के लिए निर्धारित नई लाइन के 1,000 किमी. के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, आबंटन 2,848 करोड़ रु. से बढ़ाकर 4,411 करोड़ रु. कर दिया गया है. महानगर परिवहन परियोजनाओं के वित्तपोषण में 55 प्रतिशत की वृद्धि की गई है. यात्री सुविधाओं में सुधार करने के लिए, रेलवे अभियान जारी रखने हेतु 2009-10 की तुलना में 923 करोड़ रु. की तुलना में 1,302 करोड़ रु. का आवंटन किया गया है.

सामाजिक रूप से वांछनीय रेल संपर्कता संबंधी प्रस्ताव

102. मैंने पिछले बजट भाषण में पिछड़े क्षेत्रों को जोड़ने के लिए **सामाजिक रूप से वांछनीय परियोजनाओं** को शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया था. इस प्रकार की संपर्कता के कई प्रस्ताव काफी लंबे समय से लंबित चल रहे हैं. निम्नलिखित लाइनों के लिए सर्वेक्षणों को अद्यतन करने का प्रस्ताव है तथा इसके बाद इनके आवश्यक अनुमोदन के लिए योजना आयोग के माध्यम से प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी:

1	अबोहर - तोहना वाया फतेहाबाद	58	खड़गपुर - दानकुनी
2	अजमेर - कोटा	59	खरहागोला - संथालपुर
3	अलमाटी - यादगीर	60	कृष्णा - विकराबाद
4	अमेठी - शाहगंज वाया सुल्तानपुर	61	लालाबाजार - वैरेंगटे
5	बहादुरगढ़ - झज्जर	62	लेखपानी - खरसांग
6	बाराजामदा - ततीना	63	लोहरदगा - कोरबा
7	बारामुला - कुपवाड़ा	64	मदुरै - कोट्टायम
8	बरान - शिवपुरी	65	मदुरै - तूतीकोरिन
9	बारपेटा रोड - टिहु	66	मंत्रालयमय रोड - कुर्नूल
10	बरवाडीह - चिरीमिरी	67	मुरकोंगसेलक - पासीघाट
11	ब्यास - कपूरथला	68	मैसूर - मेडिकेरे - मंगलोर
12	भद्राचलम - कोव्वूर	69	नागिनमोरा - अमगूरी
13	भद्राचलम रोड (कोथागुडेम) - विशाखापत्तनम	70	नवरंगपुर - जयपोर
14	भावनगर - तारापोर	71	नवादा - गिरिडीह वाया सतगावां
15	भावनगर - महुवा	72	निजामाबाद - रामागुंडम

16 भिंड - ओराय - महोबा
17 भोजूडीह - मोहूदा
18 बिलासपुर से लेह तक वाया कुल्लू एवं मनाली
19 बिलासपुर - रामपुर बुशाहर
20 बियावरा राजगढ़ - बीना
21 चंडीगढ़ - देहरादून वाया जगाधरी
22 चापरमुख - डिब्रूगढ़
23 डांगरी - ढोला
24 दौराला - बिजनौर वाया हस्तिनापुर
25 देहरादून - कलसी
26 देवली - टोंक - सकतपुरा
27 धुले - अमालनेर
28 दिंडीगुल - कुमली
29 एरूमेली - पुनालूर - त्रिवेन्द्रम
30 एटा - कासगंज
31 इटावा - मैनपुरी
32 गदग - हरिहर
33 गुवा - मनोहरपुर
34 गुनूपुर - थेरूवेली
35 हल्दीबाड़ी - मेखलीगंज - चंद्रबांधा
36 हंसडीहा - गोड्डा
37 हरिद्वार - कोटद्वार - रामनगर
38 हसनाबाद - प्रतापआदित्यनगर
39 हिसार-सिरसा वाया अगरोहा, फतेहाबाद
40 हैदराबाद-गजवाल-सिद्दिपेट-

73 नोखा - सीकर
74 उरई - जालौन - कौंच
75 पलवल - अलवर
76 पांडुरंगपुरम - भद्राचलम
77 पानीपत - मेरठ
78 परवानू - दरलाघाट
79 पटियाला -जाखल/नरवाना वाया सामना
80 पटियाला - कुरुक्षेत्र
81 पट्टांचेररू - आदिलाबाद
82 पेंड्रा रोड - कोरबा/गेवरा रोड
83 फुलबारी - बेरहामपुर
84 पोर्ट ब्लेयर - दिगलीपुर
85 पुरी - कोणार्क
86 पुष्कर - मेड़ता
87 कादियां - ब्यास
88 रायगढ़ - मांड कोलियरी से भूपदेवपुर
89 रायपुर - झारसुगुड़ा
90 रामेश्वरम - धनुषकोटि
91 रामनगर - चौखूटिया
92 रामटेक - गोटेगांव वाया सिओनी
93 रांची - कांद्रा
94 रांगपो - गंगटोक
95 ऋषिकेश - दोइवाला
96 रूड़की - हरिद्वार
97 रूपाई - परशुरामकुंड वाया

सिरकिल्ला- जागीतयाल

41 जबलपुर - पन्ना वाया कुंडलपुर, दामोह

42 जगाधरी - पोंटा साहिब -राजबन

43 जगदलपुर - दांतेवाड़ा

44 जगयापेट - मिर्यालगुड्डा

45 जैसलमेर - बाड़मेर

46 जालना - खेमगांव

47 जम्मू - पूंछ वाया अखनूर, रजौरी

48 जयपोर - मलकांगिरी

49 झाझा - गिरिडीह वाया सोनूचकाई

50 झांसी - सवाई माधोपुर वाया शिवपुरी, शिवपुरकलां

51 जोगीघोपा से सिलचर तक वाया पंचरत्न

52 जोगिन्दर नगर से मंडी

53 जोलारपेटै - होसुर वाया कृष्णागिरी

54 काचीगुड़ा - चित्याल

55 कैथल - करनाल

56 कांद्रा - नामकूम

57 कठुआ - बसोली - भदरवा - किस्तवार

महादेवपुर, नामसाई, चिंगखाम

98 सालना - खुमटाई

99 सम्भल - गजरौला

100 सरदारशहर - हनुमानगढ़

101 सार्थेबाड़ी - चांगसारी

102 सीतापुर - बहराइच

103 सोमनाथ - कोदीनार - पिपावाव

104 थालसेरी - मैसूर

105 टोरी - चतरा

106 तुली - तुली रोड

107 तुमकुर - दावनगेरे

108 ऊधमपुर/कटरा - भैरवा, डोडा से किश्तवार

109 ऊना - होशियारपुर

110 ऊना - जैजोन दाओबा

111 वर्धा - कटोल

112 वरोरा - उमरेल

113 यमुनानगर - पटियाला

114 जहिराबाद - सिकंदराबाद

सर्वेक्षण

103 माननीय सदस्यों, राज्य सरकारों और अन्यों से प्राप्त अनुरोधों के आधार पर निम्नलिखित सर्वेक्षण शुरू करने का प्रस्ताव है :

नई लाइन सर्वेक्षण

i. गिड्डालुर-बाकरापेट

ii. बापटला-निजामपत्तनम-रेपाल्ली

iii. मेल्लाचेरुवू-जनपहाड़

iv. पगडीपल्ली-शंकरपल्ली

v. विजयनगरम-पालसा, वाया राजम

vi. बारपेट्टा-सार्थेबाड़ी के रास्ते जोगीगोपा से गुवाहाटी

vii. नार्थ लखीमपुर-अलौंग-सिलापथर

viii. रघुनाथपुर, दोरौली और गुथानी के रास्ते माझी-लार रोड
ix. सोमनाथ-कोडीनार
x. रोहतक-हांसी
xi. बिजवासन-झझर-चकरीदादरी
xii. दिल्ली-सोहना-नूह-फिरोजपुर झिरका-अलवर
xiii. बड्डी, नालागढ़, जगाधरी, सूरजपुर-काला अंब-पोंटा साहेब के रास्ते घनोली-देहरादून
xiv. बीजापुर-अथानी-शेडबाल
xv. चिक्काबल्लापुर-गोवरीविदनूर
xvi. पादुबिदरी-करकला-बेलथांगडी-धर्मस्थला-नेतन
xvii. बाइंदूर-कोल्लूरू-हालाडी-हेबरी-करकल-मूडाबिदरी-वेनूर-बेलथांगडी-धर्मस्थला-नेतानी
xviii. बेलूर-श्रींघेरी
xix. नांगली-चित्तूर
xx. कृष्णागिरी-चामराजनगर
xxi. मैसूर-कुशालनगर-माडीकेरे
xxii. बेलगाम-बगलकोट-रायचूर
xxiii. मारीकुप्पम-कुप्पम
xxiv. बेलगाम-सामंतवाड़ी
xxv. अदूर-कोट्टारकारा के रास्ते चेंगानूर-त्रिवेंद्रम
xxvi. गडचंडूर-अदीलाबाद
xxvii. बोधन-बिदर
xxviii. नासिक-धानु रोड
xxix. बड़ीसदरी-नीमच
xxx. गुना-एरोन-सिरोंज-वासोडा-विदिशा
xxxi. सागर-छतरपुर-खजुराहो-भोपाल
xxxii. तालचेर-फुलबनी-लांजीगढ़
xxxiii. जुनागढ़-जयपोर-मलकांगिरी-भद्राचलम
xxxiv. टांडा-होशियारपुर
xxxv. भिवानी-लोहारु-पिलानी-चूरू
xxxvi. पुष्कर-मेड़ता
xxxvii. हमीरा के रास्ते जैसलमेर से सानू
xxxviii. भरतपुर-डीग-कामा-कोसी
xxxix. हमीरपुर-हमीरपुर रोड

xl. फफूंद-कोंच
xli. हस्तिनापुर-मेरठ
xlii. बचारवां-लालगंज
xliii. कपिलवस्तु-बस्ती वाया भंसी
xliv. पिरान कलियार शरीफ-हरिद्वार
xlv. टनकपुर-बागेश्वर
xlvi. टनकपुर-जौलजीवी
xlvii. दीघा-रायचक-कुल्पी
xlviii. डायमंड हारबर-बज बज-अकरा
xlix. दीघा-बालीचक (देबरा)
l. कांथी-बेलदा
li. इकरा-चुरूलिया-गोरांडी
lii. पांडबेश्वर-इकरा
liii. पानाथुर-कानीयूर
liv. बोंगांव-कल्याणी
lv. राणाघाट-दत्ताफुलिया

आमान परिवर्तन सर्वेक्षण

i. लखनऊ-सीतापुर-लखीमपुर-पीलीभीत
ii. अहमदाबाद-बोटार और ढांसा-जैतलसर

दोहरीकरण सर्वेक्षण

i. मानिकगढ़-गढ़चंदूर
ii. गुवाहाटी-लमडिंग-तिनसुकिया-डिब्रुगढ़
iii. किऊल-गया
iv. कानपुर-मानिकपुर
v. मथुरा-झांसी तीसरी लाइन
vi. सरहिंद-नंगलडेम
vii. गुंटूर-गुंतकल

अन्य सर्वेक्षण

i. हावड़ा-सियालदह संपर्क
ii. छत्रपति शिवाजी टर्मिनल मुंबई-चर्चगेट संपर्क
iii. अलवर से सादुलपुर तक, रेवाड़ी में बाईपास लाइन
iv. अंडाल-सैंथिया शाखा लाइन के लिए सीधे संपर्क सहित बाईपास लाइन
v. कुर्ला यार्ड में ग्रेड सेपरेटर

राष्ट्रीय परियोजनाएं:

104. महोदया, मैं **पूर्वोत्तर विकास परिषद तथा संबंधित राज्य प्राधिकारियों के परामर्श से पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल अवसंरचना के विकास हेतु एक मास्टर योजना** तैयार करने का प्रस्ताव करती हूँ.

105. कश्मीर घाटी में काजीगुंड-बारामुला रेल लाइन के काजीगुंड-अनंतनाग के पूरा होने पर अक्टूबर 28, 2009 को गाड़ी सेवाएं शुरू कर दी गई थी. विशेषज्ञ समीति की समीक्षा के बाद, कटरा-काजीगुंड खंड पर कार्य पुनः शुरू हो गया है. उधमपुर से कटरा और कटरा से काजीगुंड तक लाइन के शेष भाग के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है.

106. पूर्वोत्तर में 10 परियोजनाओं को राष्ट्रीय परियोजनाओं के रूप में घोषित किया गया है और उनके लिए पर्याप्त धन मुहैया कराया जा रहा है. कानून और व्यवस्था की प्रतिकूल स्थिति के कारण इन परियोजनाओं में से कुछ की प्रगति पर प्रभाव पड़ रहा है. बहरहाल, लामडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए विशेष प्राथमिकता दी गई है.

107. मेघालय की राजधानी के लिए रेल संपर्क मुहैया कराने के लिए बर्नीहाट-शिलांग के कार्य को इस बजट में राष्ट्रीय परियोजना के रूप में शामिल कर लिया गया है.

नई लाइनें

108. वर्ष 2009-10 के दौरान, वे खंड, जो या तो पूरे हो चुके हैं या वर्ष के दौरान पूरे हो जाएंगे, इस प्रकार है :-

i. उधमपुर - श्रीनगर - बारामुला का काजीगुंड - अनंतनाग
ii. नागपट्टीनम - वेलांकन्नी
iii. राजगीर - तिलैया का जगदीशपुर - नेकपुर
iv. मुजफ्फरपुर - सीतामढ़ी का सीतामढ़ी - रनसैदपुर और मुजफ्फरपुर - जुब्बासानी
v. तारकेश्वर - बिष्णुपुर का तारकेश्वर - तालपुर
vi. गिरिडीह - कोडरमा का महेशपुर - नावाडीह
vii. लांजीगढ़ - जुनागढ़ का लांजीगढ़ - भवानीपटना
viii. नांगलडेम - तालवारा का चुरारू टकराला - अंब अंदुरा
ix. रेवाड़ी - रोहतक का रेवाड़ी - झज्जर
x. फुलवरिया - बथुआ बाजार
xi. लोहरदग्गा - बड़कीचम्पी
xii. बांकुड़ा दामोदर नदी घाटी लाइन का रायनगर - मतनाशिबपुर
xiii. कोट्टुर - हरिहर

109. वर्ष 2010-11 में पूरे किए जाने वाले प्रस्तावित 1021 किमी कवर करने वाले खंड निम्न प्रकार हैं :

i. अजमेर - पुष्कर
ii. अमरावती - नारखेड का चंदुरबाजार - नारखेड
iii. भागीरथी के ऊपर पुल सहित अजीमगंज - मुर्शिदाबाद
iv. मंडारहिल - रामपुरहाट का मंडारहिल - हंसडीहा और रामपुरहाट - पीरगड़िया
v. देवघर - सुल्तानगंज का देवघर - चांदन
vi. सकरी - हसनपुर का बेरौल - कुशेश्वरस्थान
vii. लांजीगढ़ - जुनारगढ़ का भवानीपटना - जूनागढ़
viii. खुर्दा - बोलंगीर का खुर्दा - बेगुनिया
ix. न्यू मैनागुड़ी - जोगीघोपा का न्यू कूचबिहार - गोलकगंज
x. रेवाड़ी - रोहतक का झज्जर - रोहतक
xi. तरण तारण - गोइंदवाल
xii. अबोहर - फाजिल्का
xiii. ललितपुर - सतना का ललितपुर - उदयपुरा, रीवा - सिंगरौली
xiv. आगरा - इटावा का आगरा - फतेहाबाद - बाह
xv. सेलम - करूर का सेलम - नमक्कल
xvi. कादुर - सक्लेशपुर का कादुर - कन्नीहाली
xvii. मुजफ्फरपुर - सीतामढ़ी का रून्नीसैदपुर - जुब्बासानी
xviii. गिरिडीह - कोडरमा का नावाडीह - धनवार
xix. नेवड़ा - शेखपुरा का धनियावान - बिहारशरीफ
xx. कोडरमा - रांची का बरकाकाना - खज्जू
xxi. फुलवारीशरीफ - पाटलिपुत्र
xxii. नांदयाल - येरागुंतला का नोस्साम - बोंगान्पल्ली
xxiii. पेड्डापल्ली - निजामाबाद का जगतियाल - मोरटाड
xxiv. गडवाल - रायचूर का गडवाल - पांडुरंगस्वामी
xxv. बिदर - गुलबर्गा का खानापुर - होमनाबाद
xxvi. रामगंजमंडी - भोपाल का रामगंजमंडी - झालावाड़
xxvii. बारामती - लोनाड का लोनाड - फाल्टन
xxviii. हथुआ - भटनी का बथुआ बाजार - पंचदिवारी
xxix. महाराजगंज - रीवाघाट का महाराजगंज - बिशुनपुर माहावरी
xxx. बांकुड़ा दामोदर नदी घाटी लाइन का मतनाशिबपुर - माशाग्राम
xxxi. नागौर - करईकल
xxxii. घोरमारा - दुमका
xxxiii. विष्णुपुरम - जनपहाड़

110. निम्नलिखित नई परियोजनाएं बजट में शामिल की गई हैं:

i. ऋषिकेश - कर्णप्रयाग
ii. दीघा - जलेश्वर
iii. बगलाकोट - कुडाची
iv. हसनाबाद - हींगलगंज
v. बलूरघाट - हिल्ली
vi. भद्राचलम रोड - सत्तूपल्ली
vii. कालियागंज - बुनियादपुर
viii. बोवाईचंडी - आरामबाग
ix. तारकेश्वर - मागरा

111. तारकेश्वर-चम्पाडंगा, आरामबाग-घातल का आरामबाग-इरफला, मचलान्दपुर-स्वरूपनगर, बज बज-पुजाली, प्रांतिक-सिउड़ी, तारकेश्वर-धनियाखली, न्यू माल-मैनागुड़ी रोड, डानकुनी-फुरफुराशरीफ, गया-नटेसर (नालन्दा), निदामनगलम-मान्नरगुडी तथा मन्दिर हसौद-नया रायपुर खंडों में कार्य शुरू किया जा रहा है.

112. महोदया, सरकार **पड़ोसी देशों को रेल संपर्क** मुहैया कराने में प्राथमिकता दे रही है। नेपाल के साथ रेल संपर्क के लिए पांच नई लाइनों के लिए सर्वेक्षण किए जा चुके हैं. इन लाइनों में से जोगबनी से विराटनगर तक नई लाइन तथा बारबीदास तक विस्तार सहित जयनगर से बीजलपुरा के आमान परिवर्तन को शुरू किए जाने का प्रस्ताव है.

आमान परिवर्तन

113. वे खंड, जो या तो पूरे हो चुके हैं या 2009-10 के दौरान पूरे हो जाएंगे, इस प्रकार हैं :-

i. मिराज - लातूर का पंढरपुर - मिराज
ii. अजमेर - फुलेरा - रेवाड़ी का अजमेर - फुलेरा
iii. तंजावूर - विल्लूपुरम का कुड्डालोर - सरकाजी
iv. शिमोगा - तालगुप्पा का शिमोगा - आनंदपुरम
v. मानसी - सहरसा - पूर्णिया का धौरम - मधेपुरा
vi. मथुरा - अचनेरा
vii. फकीराग्राम - धुबरी

viii. हैबरगांव - मैराबाड़ी
ix. सादुलपुर - रतनगढ़ - डेगाना
x. बालाघाट - जबलपुर - गोंडिया का बालाघाट -कटंगी , बालाघाट - कटंगी
xi. धर्मावरम - पाकाला का मदनापल्लै - धर्मावरम
xii. वेल्लोर - विल्लुपुरम
xiii. पोदानूर - कोयंबत्तूर
xiv. कोल्लम -तिरूचेनदूर का कोल्लम - पुनालूर और तेनकासी - विरूदुनगर
xv. बारीपाड़ा - रूपसा - बांगरीपोसी का बारीपाड़ा - बांगरीपोसी
xvi. प्रतापनगर - छोटा उदेपुर का दाबोई - बोडेली
xvii. वांसजालीया - जेतलसर
xviii. सुरेंद्रनगर - ध्रांगध्रा
xix. भिलड़ी - समदड़ी

114. महोदया, 2010 -11 में आमान परिवर्तन के लिए 800 किमी. का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं :

i. बर्धमान - कटवा का बर्धमान - बेलगोना
ii. कृष्णानगर - शांतिपुर
iii. कोल्लम - तिरूचेनदूर का तिरुनेलवेल्ली - तेनकासी और तेनकासी - विरूदुनगर
iv. माईलादुतुराई - कराईक्कुडी का माईलादुतुराई - थिरूवारूर
v. भरूच - सामनी - दाहेज
vi. अलुआबाड़ी - सिलिगुड़ी
vii. डिंडीगुल - पोलाची - पालक्काड का डिंडीगुल - पलानी
viii. शिमोगा - तालगुप्पा का आनंदपुरम - तालगुप्पा
ix. कोलार - चिकबालापुर का चिंतामनी - चिकबालापुर
x. कप्तानगंज - थावे - छपरा का कप्तानगंज - थावे
xi. सादुलपुर - बीकानेर का रतनगढ़ - बीकानेर
xii. मावली - नाथद्वारा
xiii. कटिहार - तेजनारायणपुर
xiv. जयनगर - दरभंगा - नरकटियागंज का सीतामढी - बैरगनिया
xv. प्रतापनगर - छोटा उदेपुर का बोडेली - छोटा उदेपुर

115. निम्नलिखित नए आमान परिवर्तन के कार्य शुरू करने का प्रस्ताव है:

i. छिंदवाड़ा-नैनपुर-मांडला पत्तन

ii. कोटा तक विस्तार सहित ग्वालियर-शिवपुरकलां
iii. गंगापुर सिटी तक विस्तार सहित धौलपुर-सिरमुत्रा

दोहरीकरण

116. चालू वर्ष के दौरान लगभग 500 किमी. का दोहरीकरण पूरा होने की संभावना है. वर्ष 2010-11 के लिए 700 किमी. के दोहरीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. बजट में दोहरीकरण के निम्नलिखित नए कार्य शामिल किए गए हैं :

i. गोधानी - कालूमना
ii. तालचेर - संबलपुर
iii. सोनदलिया - चंपापुकुर
iv. देलांग - पुरी
v. अंबिकाकालना - नबद्वीपधाम
vi. बेथुधाहारी - पलासी
vii. कटवा - पटुली
viii. जालंधर कैंट - सूची पिंड
ix. साहेबगंज - पीरपैंती
x. शांतिपुर - कालीनारायणपुर
xi. लालगोला - जियागंज
xii. अजीमगंज - मानीग्राम
xiii. अंबाला कैंट - धापेर
xiv. चक्की बैंक - भरोली
xv. सांभा - विजयपुर जम्मू पर बसंतार ब्रिज
xvi. नलहटी - सगरदीघी
xvii. भदोही - जंघाई
xviii. कठुआ - माधोपुर पंजाब
xix. भगत की कोठी - लुनी
xx. आबू रोड - सरोत्रा रोड
xxi. सरोत्रा रोड - करजोदा
xxii. स्वरूप गंज - आबू रोड
xxiii. केशवगंज - स्वरूप गंज
xxiv. मानचिरयाल - पेडामपेट
xxv. तामलुक - बांसुलिया सुताहता
xxvi. सीनी - आदित्यपुर तीसरी लाइन
xxvii. चंपाझारण - बिमलागढ़
xxviii. डांगवापोसी - राजखरसवां तीसरी लाइन
xxix. दुर्ग - राजनंदगांव तीसरी लाइन

xxx. बिरूर - शिवानी
xxxi. माइल 5 बी - न्यू अलीपुर
xxxii. होसदुर्गा रोड - चिकजाजुर
xxxiii. एर्नाकुलम - कुंबालम
xxxiv. वीरमगाम - सुरेंद्रनगर
xxxv. होसपेट - हुबली - लोंडा - वास्को-डि-गामा

117. महोदया, कुछ राज्य सरकारें अपने राज्यों की परियोजानाओं में पहले से ही लागत में भागीदारी कर रही हैं। इसके अलावा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश की राज्य सरकारें निम्नलिखित चालू परियोजनाओं के लिए भी लागत में भागीदारी की इच्छुक हैं :

i. हासन - बेंगलोर नई लाइन
ii. कादूर - चिकमागलुर - सकलेशपुर नई लाइन
iii. अर्सीकेरे - बिरूर का दोहरीकरण
iv. कोलार - चिकबल्लापुर का आमान परिवर्तन
v. अहमदनगर - बीड - पर्ली बैजनाथ नई लाइन
vi. कोटापल्ली - नरसापुर नई लाइन

118. इसके अतिरिक्त, कर्नाटक, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश की राज्य सरकारों ने लागत भागीदारी/पीपीपी के आधार पर नई परियोजनाएं शुरू करने का प्रस्ताव किया है. इनमें निम्नलिखित नई लाइनें शामिल हैं :

i. वाडसा - देसाईगंज गडचिरोली
ii. गड़चंदूर - आदिलाबाद
iii. मनमाड - इंदौर
iv. तालगुप्पा - होनावार
v. शिमोगा - हरिहर
vi. व्हाइटफील्ड - कोलार
vii. गदग - हावेरी
viii. तुमकुर - देवांगिरी
ix. बीजापुर - शाहबाद
x. धारवाड़ - बेलगाम
xi. नाडीकुडी - श्रीकलाहस्ती
xii. भद्राचलम - काव्वूर
xiii. मनुगुरू - रामगुंडम
xiv. अकनापेट - मेडक - मेडचल

xv. कोंडापल्ली - कोथागुदेम
xvi. कंबम - प्रोदात्तूर
xvii. गडवाल - मचेरला
xviii. विजयवाड़ा-गुडीवाडा-मछलीपत्तनम-भीमावरम-नरसापुर/निदादावोलु का दोहरीकरण
xix. गुंटूर-तेनाली-रेपाले का दोहरीकरण

119. महोदया, रेलवे राज्य सरकारों से प्राप्त उनके राज्यों में रेल अवसंरचना के निर्माण संबधी नए प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर विचार करेगी, बशर्ते वे 'पीपीपी' आधार पर धन की व्यवस्था के लिए सहमत हो जाएं.

पत्तन संपर्कता

120. औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए राज्य सरकारें और केन्द्र पत्तनों के विकास पर जोर दे रही हैं. इन राज्यों में पत्तनों के होने की संभावना है अर्थात्-**गुजरात**-पोरबंदर, सुत्रपाड़ा, ढोलेरा, महुवा, हजीरा, टुना ; **महाराष्ट्र**-रेवास, धरमतार, दिघी ; **कर्नाटक** - करवाड़; **केरल**-अझीक्कल, बेयपुर, थलासरी ; **उड़ीसा** - अस्तरांगा, चूड़ामनी, गोपालपुर; **आंध्रप्रदेश** - वोडारेऊ, निजापत्तनम; **पश्चिम बंगाल** - सागर कपिल मुनि, हल्दिया.

121. ऐसे सभी पत्तनों के लिए रेल सम्पर्क की आवश्यकता होगी जिसके लिए भारतीय रेलें सार्वजनिक निजी भागीदारी मार्ग योजना का स्वागत करेंगी.

रेल विद्युतीकरण

122. यह बताते हुए मुझे खुशी हो रही है कि भारतीय रेल ग्यारहवीं योजना के पहले तीन सालों में लगभग 2,300 मार्ग किलोमीटर का विद्युतीकरण पूरा कर लेगी, जबकि पांच वर्ष की अवधि के लिए 3,500 मार्ग किलोमीटर का लक्ष्य है. शेष दो वर्षों में और 2,000 किलोमीटर की योजना है. विजन 2020 में विद्युतीकरण के लिए भावी मार्गों के रूप में निर्धारित 14,000 मार्ग किलोमीटर में से आगामी वर्ष निम्नलिखित खंडों पर कार्य शुरू किया जाएगा. :

i. गोंडिया-बिलारशाह वाया नागभीर, 250 मार्ग किलोमीटर
ii. दौंड-मनमाड, 255 मार्ग किलोमीटर
iii. खाना-सैंतिया-पाकुड़ एवं पांडबेश्वर-सैंतिया, 205 मार्ग किलोमीटर

123. निम्नलिखित खंडों के संबंध में गंभीरता से विचार किया जा रहा है :

i. विजयनगरम - रायगढ़ा (124 मार्ग किलोमीटर)
ii. मथुरा - अलवर - रेवाड़ी - हिसार (330 मार्ग किलोमीटर)
iii. गुंतकल - बेल्लारी - होसपेट - वास्को-डि-गामा (458 मार्ग किलोमीटर)

124. उपर्युक्त के अलावा, निम्नलिखित खंडों के लिए व्यवहार्यता अध्ययन शुरू किए जाएंगे.

i.	बर्धमान-कटवा-न्यू फरक्का कटवा-अहमदपुर सहित	320 मार्ग किमी.
ii.	छेवकी-मानिकपुर-इटारसी	653 मार्ग किमी.
iii.	छपरा-वाराणसी-इलाहाबाद, भटनी - औंडिहार और फेफना-इंदारा सहित	503 मार्ग किमी.
iv.	चुनार -चोपन सहित गढ़वा रोड-चोपन-सिंगरौली	302 मार्ग किमी.
v.	गुमानी-साहेबगंज सहित पाकुड़-कुमेदपुर	200 मार्ग किमी.
vi.	अंगुल-संबलपुर-झरसुगुड़ा	205 मार्ग किमी.
vii.	किऊल-तिलैया-मानपुर	125 मार्ग किमी.
viii.	न्यू बोंगाईगांव-जोगीघोपा-कामाख्या	176 मार्ग किमी.
ix.	बांकुरा-रैनानगर	97 मार्ग किमी.
x.	फतवा-इस्लामपुर-बख्तियारपुर-राजगीर	96 मार्ग किमी.
xi.	विजयवाड़ा-निदुदुवोलु-मछलीपत्तनम और नरसापुर सहित	220 मार्ग किमी.
xii.	फलकनुमा-उम्दानगर	20 मार्ग किमी.
xiii.	सिकंदराबाद-मेडचल	25 मार्ग किमी.

ऑप्टिक फाइबर केबल

125. भारतीय रेल के पास ऑप्टिक फाइबर केबल का 37,000 किलोमीटर का नेटवर्क पहले से ही मौजूद है जिसमें 12,000 किलोमीटर और जोड़ने का कार्य प्रगति पर है. शेष 15,000 किलोमीटर पीपीपी के माध्यम से शुरू करने का प्रस्ताव है और इस प्रकार समूचा रेलवे नेटवर्क इसके अंतर्गत आ जाएगा. शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को **ब्राडबैंड सेवाएं उपलब्ध कराने** के लिए पीपीपी आधार पर अंतिम रूप से संपर्क सहित इस **ओएफसी इंफ्रास्ट्रक्चर** का उपयोग करने का प्रस्ताव है.

कोलकाता मेट्रो

126. भारतीय रेलवे पर एकमात्र मेट्रो कोलकाता मेट्रो है. टॉलीगंज से गरिया बाजार खंड को हाल ही में चालू किया गया है. न्यू गरिया तक के शेष खंड को शीघ्र पूरा कर लिए जाने की संभावना है. दमदम से वारानगर तक विस्तार कार्य भी शुरू हो गया है. रेलें पार्क सर्कस को मदर टेरेसा, मैदान को घोस्तो पाल, एम जी रोड को ठाकुरवाड़ी, चांदनी चौक को टीपू सुल्तान और रसबिहारी को भगत सिंह मेट्रो स्टेशनो के रूप में पुनः विकसित/रि-मॉडल तथा पुनः नामित करने का प्रस्ताव करती है.

127. मेट्रो नेटवर्क को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए बजट में निम्नलिखित विस्तार शामिल किए गए हैं:

i. जोका-बीबीडी बाग वाया माजेरहाट

ii. नोआपारा-बारासात वाया बिमानबंदर

iii. दमदम-न्यू गरिया वाया राजेरहाट

iv. बारानगर-बैरकपुर और बारानगर-दक्षिणेश्वर

नई सेवाएं

उपनगरीय सेवाएं

128. उपनगरीय सेवाएं बड़े महानगरों की जीवनरेखा हैं.

129. मुम्बई क्षेत्र में उपनगरीय सेवाओं का संवर्धन किया जाएगा. ठाणे/कल्याण से कसारा/करजत/खोपोली में 32 सेवाओं, मुख्य लाइन पर 16 सेवाओं, हार्बर लाइन पर 18 सेवाओं और ट्रांस-हार्बर लाइन पर 35 सेवाओं सहित 101 अतिरिक्त सेवाएं शुरु करने का प्रस्ताव है.

130. एमयूटीपी चरण-I के अंतर्गत मुंबई उपनगर क्षेत्र के विकास के लिए निर्माण कार्य इस वर्ष के अंत तक पूरा हो जाने की संभावना है। एमयूटीपी चरण-II के अंतर्गत कार्य के लिए योजना तैयार कर ली गई है जिसे मार्च 2014 तक पूरा करने का लक्ष्य है.

131. चेन्नै क्षेत्र में, चेन्नै सेंट्रल-सुल्लूरपेटा-चेन्नै बीच, चेन्नै बीच-वेलाचेरी-चेन्नै बीच (एमआरटीएस पर), चेन्नै बीच-तिरुत्तानी-चेन्नै सेंट्रल, चेन्नै सेंट्रल-अरकोणम-चेन्नै सेंट्रल पर नई सेवाएं आरंभ की जाएंगी. वेल्लाचेरी से सेंट थॉमस माउन्ट तक एमआरटीएस चरण-2 के विस्तार का कार्य प्रगति पर है जिसे मार्च 2012 तक पूरा करने का लक्ष्य है.

132. इसी प्रकार, कोलकाता क्षेत्र में सियालदह-कल्याणी, सियालदह-कैनिंग, सियालदह-नामखाना, सियालदह-बनगांव, हावड़ा-तारकेश्वर-बंदेल-बर्धमान, सियालदह-राणाघाट और

सियालदह-कोलकाता (बरास्ता बॉलीगंज-माजेरहाट-बीबीडी बाग) के खंडों पर नई सेवाएं शुरू की जाएंगी. हावड़ा और सियालदह को जोड़ने के लिए एक सर्वेक्षण किया जाएगा.

133. बालीगंज एक महत्वपूर्ण जंक्शन स्टेशन है लेकिन यहां प्रतीक्षालय, शौचालय और पहुंच मार्ग जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं. इन कमियों को दूर करने के लिए मैं बालीगंज में एक नई स्टेशन इमारत तथा इस स्टेशन को बहादुरशाह जफर स्टेशन के रूप में पुनः नामित करने का प्रस्ताव करती हूँ.

संस्कृति एक्सप्रेस - ईपार बांगला, ओपार बांगला

134. **कविगुरू रवीन्द्रनाथ टैगोर के 150 वें जन्मोत्सव के अवसर पर** और उनकी इस लीगेसी को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए रेलवे का देश में एक विशेष गाड़ी - संस्कृति एक्सप्रेस - चलाने का प्रस्ताव है.

135. टैगोर विश्व में एक मात्र ऐसे कवि हैं जिनकी कविताओं को दो देशों द्वारा राष्ट्रीय गान के रूप में अपनाया गया है - बंगलादेश के लिए आमार सोनार बांगला और भारत के लिए जन गण मन. टैगोर अविभाजित बंगाल में जिए और अपनी अनेक साहित्यिक रचनाओं का सृजन किया. इस महान संत को श्रद्धांजलि देने और बंगलादेश और भारत के बीच *मैत्री* को मजबूत करने के लिए बंगलादेश सरकार के परामर्श के साथ सीमा पार के लिए एक विशेष गाड़ी चलाने का प्रस्ताव है ताकि दोनों देश संयुक्त रूप से उनके 150 वें जन्मोत्सव को मनाने के अवसर का लाभ उठा सकें.

मातृभूमि गाड़ियां

136. महोदया, 'माताएं' देश की भावी पीढ़ियों का लालन-पालन करती हैं और हमें गर्व है कि उन्होंने अब देश में एक कार्यबल के रूप में अपना योगदान देने के लिए अपने घरों से बाहर कदम रखा है. रेल में उनकी यात्रा बेहतर बनाने की दृष्टि से मैंने कोलकाता, चेन्नई, नई दिल्ली और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों में रेलवे नेटवर्क पर 21 महिला स्पेशल गाड़ियां शुरू की हैं. देश की उन्नति में उनकी भूमिका को मान्यता देते हुए मैंने उन्हें **मातृभूमि** विशेष नाम दिया है. प्रमुख महानगरों के उपनगरीय खंडों में निम्नलिखित **मातृभूमि विशेष** चलाई जाएंगी.

(i) दिल्ली-पानीपत

(ii) कोलकाता

(क) बारासात-सियालदह

(ख) कृष्णानगर-सियालदह

(iii) फलकनुमा-लिंगमपल्ली

(iv) मुंबई

(क) ठाणे-वाशी

(ख) पनवेल-नेरुल-ठाणे

कर्मभूमि गाड़ियां

137. आम लोगों के लिए निम्नलिखित **अनारक्षित गाड़ियां** चलाने का प्रस्ताव किया जा रहा है।

i. दरभंगा-मुंबई एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
ii. गुवाहाटी-मुंबई (साप्ताहिक) वाया हावड़ा-टाटानगर-झारसुगुड़ा-बिलासपुर-नागपुर
iii. न्यू जलपाई गुड़ी-अमृतसर (साप्ताहिक) वाया कटिहार-सीतापुर

जन्मभूमि गाड़ियां

138. देश को अपने उन वर्दीधारी सैनिकों पर गर्व है जो अत्यधिक विषम परिस्थितियों में हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं. काफी लंबे समय से पश्चिम क्षेत्र में विभिन्न शहरों के बीच कोई रेल संपर्क नहीं था. आमान परिवर्तन और नई लाइन संबंधी कार्यों के रूप में रेलों द्वारा विकसित की गई अवसरंचना के कारण एक सीधा संपर्क उपलब्ध हो गया है. अतः मैं अहमदाबाद और ऊधमपुर के बीच प्रति सप्ताह एक नई एक्सप्रेस गाड़ी सेवा, **जन्मभूमि**, समर्पित करती हूं, जो जोधपुर, फलौदी, लालगढ़, बिरधवाल, पीलीबंगा, महाजन, सूरतगढ़, हनुमानगढ़, बठिंडा, फरीदकोट, फिरोजपुर, जालंधर, चक्की बैंक, सांबा, बाड़ी ब्राह्मण, जम्मूतवी और ऊधमपुर को जोड़ेगी.

भारत तीर्थ गाड़ियां

139. देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयास में सहायता करने के लिए रेलवे **'भारत तीर्थ' नामक विशेष पर्यटक गाड़ियां** शुरू करेगी जो देश के विभिन्न भागों में लोकप्रिय पर्यटक स्थलों को जोड़ेगी, जैसे हिमालय से कन्याकुमारी तक, द्वारका से विंध्यपर्बत तक, अजमेर शरीफ से गंगासागर तक और मुदरै से पटना साहिब तक **'भारत तीर्थ'** के चलने से हमारी 'विविधता में एकता' को बल मिलेगा और हमारे राष्ट्रगान में कविगुरू के निम्नलिखित शब्द सत्य सिद्ध हो जाएंगे :

पंजाब सिंधु गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा

140. **'भारत तीर्थ'** गाड़ियां निम्नलिखित मार्गों पर चलाने का प्रस्ताव है जिनमें पर्यटक महत्व के स्थान शामिल होंगे, जिनका चालन संबंधी ब्यौरा समय-समय पर विज्ञापित किया जाएगा :-

i. हावड़ा-गया-आगरा-मथुरा-वृंदावन-नई दिल्ली-हरिद्वार-वाराणसी-हावड़ा
ii. हावड़ा-चेन्नई-पुदुच्चेरी-मदुरै-रामेश्वरम-कन्याकुमारी-बेंगलोर-मैसूर-चेन्नई-हावड़ा
iii. हावड़ा-विजग-हैदराबाद-अरकू-हावड़ा
iv. हावड़ा-वाराणसी-जम्मूतवी-अमृतसर-हरिद्वार-मथुरा-वृंदावन-इलाहाबाद-हावड़ा
v. हावड़ा-अजमेर-उदयपुर-जोधपुर-बीकानेर-जयपुर-हावड़ा
vi. मुंबई-पुणे-तिरुपति-कांचीपुरम-रामेश्वरम-मदुरै-कन्याकुमारी-पुणे-मुंबई
vii. पुणे-जयपुर-नाथद्वारा-रनकपुर-जयपुर-मथुरा-आगरा-हरिद्वार-अमृतसर-जम्मूतवी-पुणे
viii. पुणे-रत्नागिरी-गोवा-बेंगलोर-मैसूर-तिरुपति-पुणे
ix. अहमदाबाद-पुरी-कोलकाता-गंगासागर-वाराणसी-इलाहाबाद-इंदौर-ओमकारेश्वर-उज्जैन-अहमदाबाद
x. भोपाल-द्वारका-सोमनाथ-उदयपुर-अजमेर-जोधपुर-जयपुर-मथुरा-वृंदावन-अमृतसर-जम्मूतवी-भोपाल
xi. भोपाल-तिरुपति-कांचीपुरम-रामेश्वरम-मदुरै-कन्याकुमारी-त्रिवेन्द्रम-कोचीन- भोपाल
xii. मदुरै-चेन्नई-कोपरगांव-मंत्रालयम-चेन्नई-मदुरै
xiii. मदुरै-इरोड-पुणे-उज्जैन-वेरावल-नासिक-हैदराबाद-चेन्नई-मदुरै
xiv. मदुरै-चेन्नई-जयपुर-दिल्ली-मथुरा-वृंदावन-इलाहाबाद-वाराणसी-गया-चेन्नई-मदुरै
xv. मदुरै-वाराणसी-गया- पटना साहिब-इलाहाबाद-हरिद्वार-चंडीगढ़-कुरूक्षेत्र-अमृतसर-दिल्ली -मदुरै
xvi. मदुरै-मैसूर-गोवा-मुंबई-औरंगाबाद-हैदराबाद-मदुरै

दुरंतो सेवाएं

141. हमारे इतिहास में पहली बार, एक नई गाड़ी सेवा **दुरंतो** के नाम से शुरू की गई थी. ये गाड़ियां बड़ी मात्रा में यातायात देने वाले शहरों के बीच नान-स्टाप प्वाइंट-टू-प्वाइंट सेवाएं उपलब्ध

कराती हैं. यह सेवा राजधानी गाड़ियों की तुलना में अधिक सस्ती और तीव्रतर है और इनका यात्रियों द्वारा भरपूर स्वागत किया गया है. अतः मैंने इस वर्ष निम्नलिखित **दुरंतो** गाडी सेवाएं शुरू करने का विनिश्चय किया है. :

i. यशवंतपुर (बेंगलोर) -दिल्ली (एसी) (साप्ताहिक)
ii. मुंबई-सिकंदराबाद एसी (सप्ताह में दो बार)
iii. पुणे-हावड़ा एसी (सप्ताह में दो बार)
iv. मुंबई-एर्नाकुलम एसी (सप्ताह में दो बार)
v. इंदौर-मुंबई एसी (सप्ताह में दो बार)
vi. जयपुर-मुंबई एसी (सप्ताह में दो बार)

142. मैं निम्नलिखित **दुरंतो गाड़ियां** शुरू करने का प्रस्ताव करती हूँ, जो दिन के समय चलेंगी:

i. चंडीगढ़-अमृतसर
ii. चेन्नई-कोयम्बटूर
iii. पुरी-हावड़ा
iv. हावड़ा-दीघा

143. उपर्युक्त के अलावा, यात्रियों की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए लंबी दूरी की निम्नलिखित नई सेवाओं का प्रस्ताव है :

i. सुल्तानपुर -मुंबई एक्सप्रेस (वाया निहालगढ़) (साप्ताहिक)
ii. सुल्तानपुर -अजमेर एक्सप्रेस (वाया निहालगढ़) (साप्ताहिक)
iii. आसनसोल-दीघा एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
iv. हावड़ा-काटपाडी (वेल्लोर) -पुदुचेरी एक्सप्रेस वाया भुवनेश्वर (साप्ताहिक)
v. किशनगंज-अजमेर एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
vi. कोलकाता-अजमेर एक्सप्रेस वाया सिंगरौली-कटनी-भोपाल-नागदा-रतलाम (साप्ताहिक)
vii. कोलकाता-आनंदपुर साहिब - नांगलडेम एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
viii. ऊना-हरिद्वार लिंक एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन)
ix. सिऊड़ी-प्रांतीक-हावडा एक्सप्रेस (दैनिक)
x. हल्दिया-चेन्नई एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
xi. हैदराबाद-अजमेर एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन)
xii. राजगीर-हावड़ा वाया तिलैया-कोडरमा (सप्ताह में तीन दिन)
xiii. मुंबई-शिरडी इंटरसिटी एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन)
xiv. हरिद्वार-मुंबई सीएसटी एसी एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन)

xv. वलसाड-हरिद्वार एक्सप्रेस (सप्ताह में एक दिन)
xvi. अजमेर-इंदौर लिंक एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
xvii. नागरकोइल-बंगलूरू एक्सप्रेस (सप्ताह में एक दिन) वाया मदुरै-होसुर
xviii. कानपुर-चित्रकूट एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
xix. न्यू जलपाइगुड़ी-चेन्नई एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
xx. दिल्ली सराय रोहिल्ला-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन) वाया बठिंडा
xxi. मंगलोर-तिरूच्चिरापल्ली एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
xxii. भुवनेश्वर-पुणे एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
xxiii. हबीबगंज-जबलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
xxiv. कालीकट-तिरुवनंतपुरम जनशताब्दी एक्सप्रेस (सप्ताह में पांच दिन)
xxv. पुणे-एर्णाकुलम सुपरफास्ट (सप्ताह में दो दिन) वाया पनवेल
xxvi. कोयम्बत्तूर-तिरुपति इंटरसिटी एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन) वाया सेलम
xxvii. शिमोगा-मैसूर इंटरसिटी एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
xxviii. बेंगलूरू-तिरुपति इंटरसिटी एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन) वाया बंगारपेट
xxix. छत्रपति साहू महाराज टर्मिनस (कोल्हापुर)-सोलापुर एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
xxx. जयपुर-पुणे एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
xxxi. रांची-जयनगर एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन)
xxxii. मदुरै-तिरुपति एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन)
xxxiii. तिरुपति-सिकंदराबाद एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन) वाया पकल्ले-मदनपल्ले रोड के रास्ते.
xxxiv. संबलपुर-हावड़ा एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
xxxv. अहमदाबाद -आगरा एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन)
xxxvi. गोंडा-मंडुवाडीह (वाराणसी) इंटरसिटी (प्रतिदिन)
xxxvii. 6591/6592 बंगलोर-हुबली हम्पी एक्सप्रेस को 6593/6594 बंगलोर-नांदेड एक्सप्रेस से अलग करके, जो कि फिलहाल लिंक गाड़ियों के रूप में चल रही हैं, गुंतकल में इन गाड़ियों की शंटिंग समाप्त करके बंगलोर-हुबली और बंगलोर-नांदेड के बीच स्वतंत्र रूप से गाड़ियों को चलाना.
xxxviii. 7416/7429/7430 हरिप्रिया और रायलसीमा एक्सप्रेस, जो फिलहाल लिंक गाड़ियों के रूप में चल रही हैं, की गुंतकल में शंटिंग समाप्त करके हैदराबाद-तिरुपति (दैनिक), हैदराबाद-छत्रपति साहू महाराज टर्मिनस (सप्ताह में दो दिन) और तिरुपति-छत्रपति साहू महाराज टर्मिनस (दैनिक) के बीच स्वतंत्र रूप गाड़ियों को चलाना.
xxxix. सिकंदराबाद -मनुगुरू एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन)
xl. अलीपुरद्वार-लमडिंग इंटरसिटी एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
xli. गुवाहाटी -मरियानी इंटरसिटी एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
xlii. गांधीधाम -जोधपुर एक्सप्रेस वाया भिलड़ी (सप्ताह में तीन दिन)
xliii. राजकोट-पोरबंदर एक्सप्रेस (वाया जैतलसर) (सप्ताह में तीन दिन)
xliv. कोलकाता-दरभंगा एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन)

xlv. हावड़ा-बेरहामपुर एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन)
xlvi. बारीपाड़ा-शालीमार इंटरसिटी एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन)
xlvii. खड़गपुर-पुरूलिया इंटरसिटी एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन)
xlviii. ग्वालियर-छिंदवाड़ा एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन)
xlix. रामपुरहाट-सियालदह इंटरसिटी एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन)
l. हावड़ा-शिरडी एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
li. पुरी-वलसाड एक्सप्रेस (साप्ताहिक) वाया कटनी- भोपाल-वडोदरा
lii. पुरी-दीघा एक्सप्रेस (साप्ताहिक)

144. महोदया, इसके अलावा मैं सदन को विश्वास दिलाना चाहती हूं कि 2937/2938 गांधीधाम-हावड़ा एक्सप्रेस 10 मार्च, 2010 तक शुरू कर दी जाएगी.

पैसेंजर गाड़ियां

145. रेल यात्रा की बहुत बड़ी संख्या छोटी दूरी के यातायात के अंतर्गत आती है. यह यातायात, जिसमें परंपरागत पैसेंजर गाड़ियों, मेमू और डेमू का उपयोग किया जाता है, में उत्साहवर्द्धक वृद्धि हो रही है और यातायात के इस क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करने के लिए वर्ष 2010-11 के दौरान निम्नलिखित पैसेंजर गाड़ियां शुरू करने का प्रस्ताव है :

i. चित्तरंजन-कोलकाता पैसेंजर
ii. सियालदह-कृष्णानगर पैसेंजर
iii. हल्दीबाड़ी-न्यू जलपाईगुड़ी-सिलीगुड़ी पैसेंजर
iv. बालाघाट-कटंगी पैसेंजर
v. टाटानगर-हटिया पैसेंजर वाया चांडिल-पुरुलिया-मूरी
vi. मिराज-पर्ली पैसेंजर
vii. मिराज-पंढरपुर पैसेंजर
viii. झांसी-बांदा पैसेंजर
ix. न्यू जलपाईगुड़ी-दीनाहाट-बामनहाट पैसेंजर
x. नीलांबर रोड-शोरानूर पैसेंजर
xi. तिरुचेंदूर-तिरुनेरवेली पैसेंजर
xii. मईलादुथुराई-थंजावूर पैसेंजर
xiii. भुवनेश्वर-खुर्दा रोड पैसेंजर
xiv. बंगलोर-नीलामंगला पैसेंजर
xv. बागलकोट -गडग पैसेंजर
xvi. कोझीकोड-कन्नूर पैसेंजर
xvii. धर्मनगर - मनु पैसेंजर

xviii. पटना-सासाराम वाया आरा पैसेंजर (टर्मिनल सुविधाओं का विकास होने पर भभुआ रोड तक विस्तार किया जाएगा)
xix. कोयंबत्तूर-पोलाची पैसेंजर (आमान परिवर्तन के बाद)
xx. औंडिहार -जौनपुर पैसेंजर (आमान परिवर्तन के बाद)
xxi. बरेली-लालकुआँ पैसेंजर (आमान परिवर्तन के बाद)
xxii. कटिहार-तेजनारायणपुर पैसेंजर (आमान परिवर्तन के बाद)
xxiii. फकीराग्राम-धुबरी पैसेंजर (आमान परिवर्तन के बाद)
xxiv. रेवाड़ी-देगाना पैसेंजर (आमान परिवर्तन के बाद) वाया रतनगढ़
xxv. भिलड़ी-समदड़ी पैसेंजर (आमान परिवर्तन के बाद)
xxvi. नौपाड़ा-गुनुपुर पैसेंजर (आमान परिवर्तन के बाद)
xxvii. होस्पेट-हरिहर पैसेंजर (आमान परिवर्तन के बाद)
xxviii. तिरुपति-मदनपल्ले रोड - कूरबकोटा पैसेंजर (आमान परिवर्तन के बाद)

मेमू

i. तिरुपति-नेल्लोर-चेन्नई
ii. सेलम-कटपाडी
iii. विजयवाड़ा-गुंटूर-तेनाली
iv. कोयंबत्तूर-इरोड
v. हावड़ा-मिदनापुर
vi. धनबाद-झारग्राम वाया पुरूलिया
vii. घाटशिला-हावड़ा
viii. एर्णाकुलम-कोल्लम
ix. अंडाल-जसिडीह वाया जमूरिया-बारबनी की बहाली

डेमू सेवा

146. अलुआबाड़ी - सिलीगुड़ी खंड का आमान परिवर्तन हो जोने के बाद, मैं इस खंड में डेमू सेवा शुरू करने का प्रस्ताव करती हूं जिससे **अलुआबाड़ी-सिलीगुडी और न्यू जलपाईगुड़ी के बीच एक रिंग रेल किस्म की सेवा** उपलब्ध हो जाएगी. निम्नलिखित डेमू सेवाएं भी शुरू की जाएंगी :

i. काचीगुड़ा-मेहबूबनगर
ii. काचीगुड़ा-मिर्यालगुड़ा
iii. काजीगुंड-बारामुला
iv. कृष्णानगर-फरक्का
v. मालदा टाऊन-कूचबिहार
vi. मालदा टाऊन-बलूरघाट

vii. बख्तियारपुर-गया
viii. होशियारपुर-अमृतसर

गाड़ियों के फेरे बढ़ाना

i. 2245/2246 हावड़ा-यशवंतपुर दुरंतो एक्सप्रेस को सप्ताह में एक दिन से बढ़ाकर 4 दिन
ii. 3149/3150 सियालदह-अलीपुरद्वार कंचन कन्या एक्सप्रेस 4 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन.
iii. 2377/2378 सियालदह-न्यू जलपाईगुड़ी पदतीक एक्सप्रेस 3 दिन से बढ़ाकर 6 दिन.
iv. 2295/2296 पटना-बेंगलोर संघमित्रा एक्सप्रेस 6 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन.
v. 2251/2252 कोरबा-यशवंतपुर एक्सप्रेस को सप्ताह में एक दिन से बढ़ाकर 2 दिन
vi. 6605/6606 मंगलोर-कोचूवेली एर्नाड एक्सप्रेस 3 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन.
vii. 2933/2934 अहमदाबाद-मुबंई सेंट्रल एक्सप्रेस 6 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन.
viii. 2215/2216 बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस 3 दिन से बढ़ाकर 4 दिन
ix. 2807/2808 विशाखापत्तनम-निजामुद्दीन समता एक्सप्रेस 3 दिन से बढ़ाकर 5 दिन
x. 4705/4706 दिल्ली सराय रोहिल्ला-सादुलपुर एक्सप्रेस 3 दिन से बढ़ाकर 6 दिन
xi. 2981/2982 उदयपुर सिटी - दिल्ली सराय रोहिल्ला चेतक एक्सप्रेस 3 दिन से बढ़ाकर 4 दिन
xii. 2447/2448 मानिकपुर-हजरत निजामुद्दीन उत्तर प्रदेश संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, 3 दिन से बढ़ाकर सप्ताह में 5 दिन

रेलगाड़ियों का चालन-क्षेत्र बढ़ाना

i. 7001/7002 सिकंदराबाद-मनमाड़ एक्सप्रेस का शिरडी तक (सप्ताह में दो बार)
ii. 7205/7206 काकिनाडा-मनमाड़ एक्सप्रेस का शिरडी तक (सप्ताह में एक बार)
iii. 1405/1406 काकिनाडा-मनमाड़ एक्सप्रेस का शिरडी तक (सप्ताह में दो बार)
iv. 7207/7208 विजयवाड़ा-मनमाड़ एक्सप्रेस का शिरडी तक (सप्ताह में एक बार)
v. 6341/6342 तिरुवनंतपुरम-एर्णाकुलम एक्सप्रेस का गुरूवायूर तक (प्रतिदिन)
vi. 7639/7640 काचेगुडा-नांदेड एक्सप्रेस का अकोला तक (प्रतिदिन)
vii. 2187/2188 मुम्बई सीएसटी-जबलपुर एक्सप्रेस का इलाहाबाद तक (सप्ताह में दो बार)
viii. 2235/2336 नई दिल्ली-गुवाहाटी राजधानी एक्सप्रेस का डिब्रूगढ़ तक
ix. 2777/2778 यशवंतपुर-कोचूवेली एक्सप्रेस का हुबली तक (सप्ताह में एक बार)
x. 2831/2832 भुवनेश्वर-हटिया एक्सप्रेस का धनबाद तक (सप्ताह में तीन बार)
xi. 8425/8426 पुरी-रायपुर एक्सप्रेस का दुर्ग तक
xii. 8447/8448 भुवनेश्वर कोरापुट एक्सप्रेस का जगदलपुर तक
xiii. 209/210 पुरी-धेनकैनाल पैसेंजर का तालचेर रोड तक (प्रतिदिन)

xiv. 1629 सांगली-मिराज का छत्रपति साहू महाराज टर्मिनल (कोल्हापुर) तक (प्रतिदिन)
xv. 1610 मिरज-पुणे का छत्रपति साहू महाराज टर्मिनल (कोल्हापुर) तक (प्रतिदिन)
xvi. 1551/1552 पुणे-दौंड का बारामती तक (प्रतिदिन)
xvii. 531ए/532ए पर्ली-निजामाबाद पैसेंजर का पंढरपुर तक
xviii. 623/624 मंगलोर-कन्नूर पैसेंजर का कोझीकोड तक
xix. 353/354 धारवाड-गदग पैसेंजर का सोलापुर तक
xx. 1704 चिरमिरी-दमोह पैसेंजर का सागौर तक
xxi. 1703ए दमोह-कटनी पैसेंजर का सागौर तक

एक चेष्टा

147. माननीय सदस्य विशेषकर खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उच्च मुद्रास्फीति रूझानों के कारण आम जनमानस के सामने आ रही कठिनाइयों से परिचित हैं. मैं उनकी वेदना को समझती हूँ. स्वयं रेलवे के संसाधनों की तंग स्थिति के बावजूद मैं **घरेलू उपयोग के लिए खाद्यान्नों और मिट्टी के तेल की भाड़ा दरों में 100 रुपये प्रति मालडिब्बा कटौती किए जाने का प्रस्ताव करती हूँ.** यह हमारी चिंता को व्यक्त करने की एक छोटी चेष्टा है.

रियायतें

148. महोदया, पिछले बजट में मैंने प्रेस संवाददाताओं तथा मदरसे, उच्च मदरसे तथा वरिष्ठ मदरसों के विद्यार्थियों के लिए इज्जत योजना के तहत कई रियायतों की घोषणा की थी. यह योजनाएं बहुत अधिक लोकप्रिय रही हैं तथा मैं इन रियायतों को जारी रखने का प्रस्ताव रखती हूं.

149. कला और संस्कृति के संवर्धन में भारतीय फिल्म उद्योग के विशाल योगदान से हम सभी परिचित हैं. पर्दे के पीछे वहां ऐसे लोग मौजूद हैं जिनके योगदान के बारे में हम में से अनेक लोग अच्छी तरह से नहीं जानते हैं. मैं प्रस्ताव करती हूं कि **क्षेत्रीय फिल्म उद्योग के तकनीशियन** फिल्म निर्माण संबंधी कार्य के लिए यात्रा करते समय द्वितीय स्लीपर में 75 प्रतिशत, राजधानी/शताब्दी और जन शताब्दियों सहित सभी रेलगाड़ियों में प्रथम श्रेणी, वातानुकूल कुर्सीयान, वातानुकूल 3-टियर, वातानुकूल 2-टियर में 50 प्रतिशत रियायत के पात्र होंगे.

150. महोदया, रेलें इस समय उपचार के लिए तृतीय वातानुकूल और शयनयान श्रेणी में यात्रा करने वाले **कैंसर के रोगियों** के लिए, एक मार्गरक्षी सहित, 75 प्रतिशत रियायत प्रदान करती है. मैं अब इस रियायत को बढ़ाकर तृतीय वातानुकूल और शयनयान श्रेणी में इस रियायत को **कैंसर के रोगियों** के लिए, बढ़ाकर 100 करने का प्रस्ताव करती हूं.

151. इस समय, प्रेस संवाददाताओं को अपनी पत्नी/पति के साथ यात्रा करने के लिए वर्ष में एक बार 50 प्रतिशत की रियायत दी जाती है . मैं अब **उन संवाददाताओं, जिनकी पत्नी/पति नहीं हैं,**

के सहचर और 18 वर्ष तक के आश्रित बच्चों को वर्ष में एक बार यह रियायत देने का प्रस्ताव करती हूं.

ई-टिकट पर सेवा प्रभार

152. भारतीय रेल इंटरनेट सेवाओं के उपयोग द्वारा भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम के माध्यम से ई-टिकट जारी करने की सुविधा प्रदान करती है. फिलहाल, शयनयान श्रेणी के लिए 15 रुपए और वातानुकूल श्रेणी की टिकटों के लिए 40 रुपए का अधिकतम सेवा प्रभार लगाया जाता है. मैं **सेवा प्रभार की अधिकतम सीमा को घटाकर** शयनयान श्रेणी के लिए 10 रुपए और वातानुकूल श्रेणी के लिए 20 रुपए करने का प्रस्ताव करती हूं.

153. महोदया, मुझे पता है कि माननीय सदस्य दर-सूचियों के बारे में मेरी घोषणा को सुनने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं. मौजूदा आर्थिक स्थिति में जब देश उच्च विकास पथ पर वापस आने की स्थिति में है तो मैं नागरिकों के ऊपर बोझ नहीं लादना चाहती. अतः मैं गाड़ियों की किसी कोटि और श्रेणी में किसी प्रकार के **यात्री किरायों में वृद्धि करने का प्रस्ताव नहीं रखती हूं.**

154. इस वर्ष का बजट विजन 2020 की दिशा में बढ़ने का एक अदना प्रयास है. मैं माननीय सदस्यों को आश्वासन देती हूँ कि आगे भारतीय रेल के लिए अच्छे दिन आएंगे. जिस तरह राजमार्ग, दूरसंरचार, सूचना प्रौद्योगिकी, विमानपत्तन और पत्तन क्षेत्रों ने प्रगति की है , उसी तरह रेलवे क्षेत्र भी आने वाले वर्षों में गुणात्मक वृद्धि देखेगा.

155. सात महीनों में, जो कुछ भी सर्वोत्तम संभव था, हमने उसकी कोशिश की है और अनेक मुद्दों के संबंध में अपनी वचनबद्धताओं को पूरा किया है. सीमित निधियों के साथ, हमें एक शुरुआत करनी ही होगी. हमें विज़न 2020 के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आने वाले वर्षों की योजना बनानी होगी.

156. मैं हमेशा सकारात्मक और आशावादी रही हूँ. "नहीं " और "यह संभव नहीं है" कभी मत कहो - मैं इस धारणा में विश्वास करती हूँ. जी हां, हम अपने कार्यों को पारदर्शिता के साथ करेंगे. हम अपने कार्यों से लोगों के मन को जीत सकते हैं. शक्ति हमारी दवा है और भावना हमारा मनोबल है. आइए, हम अपने प्रयासों में साहसी, दृढ़निश्चयी, समर्पित और निष्ठावान बनें.

नहीं नहीं भय, होबे होबे जय
खुले जाबे एई द्वार
(डर नहीं, जीत अवश्यंभावी है और द्वार अपने आप खुल जाएगा)

157. इन शब्दों के साथ, महोदया, मैं सदन के समक्ष 2010-11 का रेल बजट संस्तुत करती हूँ.

*****